CLINYED, BY STEDATSOR GROSS.

्रशांत है

রীশরতীর অপ দর্গনে অপ্রার্থায় মৃক্ষা	Φ
রমবঙ(র পাতি গুজা	4
শূপ্রবারের চেড্ন	ķ
ৰূপধনের ক্যোভিস লেখ ৷ তেখে বাজবাদী গণ্য	30
রশবভার সংশ্রঃ	· 8
গগৈংতা উপে কল্যারের রাজনারী গ্রহন	5.24
স্থাপদর্কে জেরিল। রুষ্ণভার বিরম্ভ ডিব্র	
केल्प्प । ५७७ छाड् कत्	
	y e
भेजरावद निज्ञ, उदानी कल्क नानुस महाक पुरुषः	: W
मा ्व रायम ७ भरम्म सम्म	\$ 55
শ্রেডাত বর্ণনা	1º pp
उसवर्कीत निज्ञा कब के शक्ति आसिएक दासी (अत्रव	٩.,
নালকাকোৰ স্বপু ও ইতি য ভিন্নেন ও প্রিয়া পালে	
সালো ও স্থানের এখরিত। দেশীর স্থিত দেশ	
भार स खबर हिर्फ लक्ष	Ü
有感 感感染 新疆》	a: :
ম্মাতির নিধান ওগান: এটাড়া ও ধনেশ গ্র্ম 💢 🤉	er nit ir
লাধুনুভের অভাবে ভদীয়াসনার ক্লাচার লাওিজ	s24
নীলুকান্ত ও রদরভার ওকুজানের ওজেু গ্রহত	4.
পরম হংলের মোন্ডালু বিষয় ১৯২৭	u di
पुंच समार्थ	50

के लाजभाषास्त सम्ह ।

छिमकः।।

ক্রি ক্রা ক্তা পরিব্তিনি জগতে প্রায় অনেকেই।
ক্রিমবশতঃ বালিকাদিগকে বিদ্যা শিক্ষার মূলিত্ত কারণ
পর হলাদি প্রণাবলী ভ্রাতে ভূমিতা না কার্য়া কেবল
সুবর্ণাবলা ভ্রাতে ভূমিতা করিয়ে সেই সুবর্ণাসভাদিগকে বিবর্ণলভা পাশে বদ্ধ করিতে বাহ্যা হুয়েন। ভার্যাহ
বর্ণ সন্ত্রর সম্লাদনের ন্য়াদক হুইয়া অপূর্বর গর্মিক হুই
প্রাক্রণ ভাষা সক্র প্রকারে থকা করেন। ইহার নূলাথা
প্রাক্রণ ভাষা সক্র প্রকার করিয়া আভিচারিলা
হুইয়া ঘূলা জনক হুয়েন। অভ্যার উল্লেখ্য নানা বর্ণালকার ভরণা ভরণা ভরণা নানা করিয়া মানা স্বর্ণালার ভরণা ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য। আর বিলাক্ষার ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য। আর বিলাক্ষার ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য আর বিলাক্ষার ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য মানা স্বর্ণাক্র স্লেখ্য সংস্কার ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য মানা স্বর্ণাকর স্লেখ্য সংস্কার ভরণা করাই বুধগণের স্লেখ্য মানা স্লাক্র

बोरानामि विविध कम्ना द्रजुत काइ बदर मुक्ति नयुः কাঁদি নানা বিধ অমূল্য রত্নভ আছে : কিন্ত বিদ্যারত্বাকরে অম্লারতুবাতীত অম্লারতুনাই। আর রতুকিরে অমৃত হলাহল উভয়েরি উদ্ভব্ছইরাছিল। কিন্তু বিদ্যা রভাকরে অমৃত ভিন্ন অন) উৎপন্ন কলাচ হইতে পারে নাা এবং রত্তাকর হইতে উদ্ভত যে জ্যোতির্মধানারি চল্ল ওছো কড় কি কেবল বছে। ভাষ্য বিমালকে পায়। কৈন্ত অহরহ নয় এবং তিনি দুই পক্ষাবলয়ী ও পকা পাতী। কিন্তু বিদ্যারভাকর ছইতে উদ্ভব যে জনেচল ভিনি বিনা পক্ষপাতে বাহাস্বান্তর্ম্ উভয় ভামশকেই चारहरू तिमके करतम अव? धामरथा। तिमि द्वारा काम-জুলা ছইমা ভত্তর মার পশাইতে জনগণের জদ্যাকাশে বিব্ৰাজমান হয়েন ৷ অভনৰ এতাদৃশ যে দিলায়াদু ইছা প্রায়েড় দিগকে বঞ্চিত করিয়া যে আপনারা দক্তিত করণে राष्ट्रिक हेरा ८७ कि किक्षिय मराख सरा मा। कारण कराज़ ভাশেকপের বিষয় : • কেননা হথায় বিশাভাব ভথায় ্রুর<u>ল জ্ঞানের কান্ডার, অভরণ ছে বিয়েক বাছক</u> ুর্ক্তিসংগ্র। আপনাবিংগর বিবেচনার অধীনে ত অপীন্ পাণিশুট পুরনের নিবেদন করিতেছে যে উক্ত বালিকা দিগকে দিয়া শিকায় নিযুক্ত করিতে যুক্তি যুক্ত ছউন, क्वमा केळ ठाणिकाता विकायिकी इरेक्स भनगास्कारक শতিব্রতা হইয়। পর্য সথে পর্ম পরাৎপর গার্মেশ্র পাপ্ত হইছে পারিষেন। যেহেতৃক ৰামীর প্রতি প্রতি धमानन हरेला क्यब शामीत अछि ओछि इत्सी महातन। ज विचहत्रत है बाहरून अना ज रेनेमा विनिध कूक्ष গণের অনুমত্যানুধারে নামা শক্তি আকর্ষণ পুরঃধর এই

ভূমিকা।

প্রাদ্ধির সন্থান সুধানিত নামক পুর প্রকাশ করি তেছে, বা রসবভী নাম্মী নারী বিদ্যাবভীপায় বিদ্যাবভা হইন। পতিকপ কপার শাগুর দৃদ্ধ বিদ্যাবভা হইতে সভীপ পর্যোগি করিনা স্বপতি সহিছে ভব্দু জানের ভব্দু মন্ত হইলেন। বিদ্যোৎশাহী বৃদ্দেরা এই গুছের বর্গ বিন্যালের বিনাশ দোবে রোধ যুক্ত না হইনা নার ভ্যান্ত করি বিনাশ দোবে রোধ যুক্ত না হইনা নার ভ্যান্ত করি প্রাদ্ধির করি ভারি ছিল্ড মহাশরেরা স্বস্তুণে এই নির্দ্ধির প্রথম প্রবিদ্ধি করিণ করণক ভ্রগ্রহণ করিলে নহতের মহান্ত মহামিত্রক বিনাল ভ্রান্তি:

, ' Ge ME' 1'

ं लहातः विमादः मिक्कानम् कामक निवास । १८८८ । , जग्र জ্যোভিষ্য জগত প্ৰধান।। কভি সৃতি অনুনতি यमुक्तन करत्। **अकस्यद** ऋतिष्ठीत्र अधिन अरमारत ।। रेनडा किक रेवचाहिक मीमारमा द्वपादम् । माम्र भाष्यकः मत्र नद्रा तमहे फिल्ड । नामा कत्नामासयम् नामा नाऊ মতে। নানা স্থানে ৰাক্য ভালে তব কল্পনাতে। পৌরাস পুরান থেদ ওক্ষপ গঠাবে। কভাভতে বাক্যালু মতের भकेरन ॥ विविध रेमविका वाना वक्षा श्रद्ध आर्थि । मान मुद्ध धम भूद्ध छ। इह स्माख मुक्ति।। , अकलाई घरहे भाई इटि इटि मात्र। अकल्प अक्षण एवं सक्षण मार्काव ।। छङ् বেও। চিত্তে কিন্তু, নিত্ত) নিৱাকার। নিলাপ্ত স্থগত সাথে শৈত। সাত্রাংশার।। শভা রক্ত শুন আদি ভিন্তণ প্রকাশ। ন্পায় দকলি পায় দৃটি ভিতি নাশ।। ক্লিডাপ্তেজ মহ । ধ্য এই পঞ্ ভূতে। চেতনাচেতন হয় ভোমার কপা-তে।। আদিতানি আদি নবগৃহ যারে কয়। তেঃমার चाळात्र मत्व श्रीष्ठ कटमं त्रहाः, अश्रिकी कामि नक्का एव षाळाधीतः। निरुष्य मारभन कार्य पाकिशं ननरम्॥ उर् ।

কণ্ডীপর তব অনুষয়া বলে। অচল সচল সহ মহীওল

इटल II विश्व संस्था दहकू मूर्व दम्कू क्यू इसे खते खड़े अटब जरत अतिबार्ड हुए।। कहा कहाकि वर्ग अहम অর্থ। রাশী পক্ষ ক্রিয় বাম কর্ড পর্ব আহি।। জাঠা কলা অনুপল বিশল অভ্ডি । গছায়াত করে ছব জাক্তা করে সৃতি !! কীটাদি পতন যক্ষ রক্ষ পক্ষ নর্ম । तामत कियत नत रावण गहर्या ॥ जात सुनि श्रवि जानि গড় মহাজন। তোমার কুপায় দবে বুবের ভার্জন। তুব कर जका तक अधारिककार । देवायात जैनिक स्कामि बीर कन करन ॥ कुन वा कि। मन सकी कन विकित्त । ব্রেতে ভরক ভার হয় অবিরভা। কে বলে বার্ডে अहि भुकाका न करवा र उत्र द अध्या व्याच्याद हेट के सहार वे छ के हैं।। তেমার মহিমা এলে যত জলচতে চুক্তনিট্ন ইইয়া সত্ত लाहे जान कारता। **तक हाता तसरम**्युक्ति विक्रि माल एट्ड । ए। नम् कान्स्टम राम्यः **एक अंग्रम्स** सम्बद्ध सम्बद्धे सम्बद्धे सम्बद्धे ৰ্বতের বংগত বাংপার। ইহাতে কেবলাওর করুল। व्यक्तात्र ।। मर्द्र मृतास्त्र व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त মুঞ্জাকার সর্বাভূত স্বামী।। আফি মূল্যতি কি এর্থিব বর্ণ हाइत । उन्दर्भना हर्निइछ दह अर्था वर्ष होइद्वर्भार ११ है है है

वाक्। तंत्रः।

क्रिक्यों। बंधित नैनार्द्धार, सर्वाद्धार अवश्रास, अवक्रों नारक छार्चल छात्र । जिस्त हेन्स् क्ना, भाइन विदेशां इ.स.स. । विश्व हुन्द्रस्य स्थानदन प्यशास्त्र । विस्तरानमं कथा, वृश्वि शार्र बाजवाना, ककी शिक्त विभाग नामार्थन ं उम्बंध छोटक विमानिकी, धटन टक्टव विमाविकी, मीम क्रा वास इन रूपे।। कनके द्वारकात द्वारत, करण शर्म प्रश एका, नीनकांक छींशात महाछि। छीशादि नदश कांे. সমপিনা খৰুমান্ত্ৰী, রাজ্যভোগে ব্ৰভ প্ৰজাপতি । কন্যান ুনাম র**সবতী, পভিন্নতা** স্বাদ্যী স্থী, গ**তি** মতি সুডি পতি পাই। মৰোহৰ কটালিকা, ভাষতে বাৰবালিকা, বিজ্লিকা আয় শোভাপায়।। একেড স্বর্ণ পুরী দিওী স্ত বলোপরি, নুবর্ণ বিবর্ণ বর্গার্ণরে । বর্ণ যদি হয় শেষ, एएवं वर्ग मविद्यायः, वर्षादेखं वर्गमा सर्वे हरत ॥ इच्छे सर्हम तथा भीका, कूनम मानमा (भाष्ठा, शतन विवास सक्तरण । अध्यारे जागाजुरु, भूरञ्जरे मध्तर, कृष्क्ष प्रम महमे छ। ग েশ্। প্রভাবে প্রকল ফলে, পাডাল পদত করে লভাঙ্গ শোভিতা শুলিশাৰী: ংয়ন মাতজ আভ**ে**, गाउँको जाउँको जाइक, छात्र दश्राभिक छत्र शांधा । ए छा एक नकल, खिल खरत हेलर, प्रश्नमन श्रांति कि का ম**ন্দং কিবা ডায়, গছবাহ শোভা পা**য়, ছুটিণ হয় পুৰ্বিভ নাবিকা। দীর্ঘ দক্ষের উপরে, পক্ষ ভারে শক্ষ করে, লক্ষাই शक्य भरनाहत । शत्रवत कति कौडी आमत्म शाहरह शीछ,

म् **महान्यम् म्याम्**य

भूगन कि मुधा में बढ । क्ष्मिक स्ट मशे मुझे किया मुझे মলি জন, চতুজনাড় দ্বাহত বিকীণ ট শৈৱাল ছটিছ क्रिंड, क्रामीनिमा उपद्रद्र क्षार माना क्यन विकेशी, থাদ ভাব দিবাকরে, দিবাকর মনে করে, বিকসিও হয় गरहार । जानू कर् अनुकर्भनकति एकुछ् नितीक्कः नव। र्मुस्य-नृष्क्राक्ष्यः एतस्यः, भारतृर्योः कसम्मिनी अवश्वितः स्टब्स्यासः ्म मृत्रम् रिष्ट देन ल्याका राजर क्ष्यु । व्यक्ति हाः । व्यक्ति । व्यक्ति । म जि. अर्थान्त अधिकारम्य कि को ये खोगा विशेषा को खासमा 经一个不可到了时间,这瞬间,更更明 医静沙 电电影之 可見了何」中是著手 理解行為 隔槽 医蝇儿 等不限機能性 多形物 ५५ दर्गाकः व्यक्ति सा स्ट्रीकि । क्या कृतक्ष्मस्त्राहरू । क्रूप रिका ह्याचा व्यवस्थान व्यक्ति वर्षा अक्षा रक्षेत्र कार । रिका लोक्स क्रिक्रिक रामच्यां का बाह्यकेल विकास ह कार्य क्का मालाक्ष्य । विश्वसम्भाविके **अन्यसम्बद्धमा**तिक **य**ास छ । প্রাংহ সজাব নামি ভাগ । প্রতিরাধি অসম্বর্গে, আস্কল জ্ঞান প্ৰে, কিয়ন্ত্ৰাচ্প্ৰভৰ্তিক ক্ষেত্ৰ প্ৰথম ৮ গৱেই-राज हैं कर । दला कर फीकराक संदर्भ रक्षा छक्त अशोल है । उन्ह · Trip --- - 《可言母音》的 《Can ,可正确的,我们都必须不可以对对对 ি লে প্ৰেম তাৰ চাই এমত মাজত **মাছি জৈতে (মুখ্য**্যণ **চু**খ্য ८८८७) कारा आध्य काहिला विधिका के रहाली विधान है, २ करूप करका, कुनाको एवं नरत अलेशिकश्री विद्यास ना 6 B (外京) 对京教员 B 图 C W 电 () 研究(B) 神经(B) 可量(好) ব্যব্যালি কেরি ভাষ্ট্র লক্ষ্ট্রা কর্মান্ট্রাক্ট্রাক্ট্র জ্ঞালিক্টেন আখা কলে ৷৷ চারি পারেখ কবেনাক্স,কারি মাটকি সুক্র, न्याहित अभूरदर्ख ईर्निसंद्धः, भूमार्श्लकंभादेः, स्म कर् পুষাধ্য ভাৰ, প্ৰকিনিয় ছেবেছে বিশ্বিত।। বেজন দে ^{লত্ত}্রেরে, ১ন-পাত নাছি করে, মান্স কাসার রাখ্য

होत्यक्षीत् सार्च क्षणाच्य क्षणाहार संस्कृत

पर्यंत काम, स्नू युन् शास काम ब्लोकीता क्रिकुत मुख्य । प्रस लम्म नाथु मुख खंबा 'उहाँ मुक व्यानिकेस बिद्रक । घकरकर শরাসনে, দক্ষ ছলা মধ্যে ব্রেজ নাছি। পালে ফিরাইভে। उत्त कामःभवाक्षः, मूल्याकिक कका, युश शास क्रम्मा रेड नम्हा बेक्स मन्त्रीन जीनि, संस्थान सेक्स दश्चित विविद्र कि निर्वासीका क्षेत्रकारि कि अध्यास्थ्य, विस् टम्ब्यून क करक वक वैश्व मानिका स्थापिक ए केकि कि किन्द्र दर्गती, व रचका कामा क्रिक्स कामी, रिक्**रीक्राक्त करवा**ने, ब्रिक्ट ॥ तिन्तुरत्रः क्लि सर्वानः न्याग्रद्धनः विक्रू स्रक्ष्यः । अक्रान्त्र अस्तिशः व्यक्ति। क्षित्रंत्व त्मर्ग्छ श्रोतः क्षेत्रं माहि माहिस्त, व्यक्तिहत आकारत महिर 📆 द्यका महिन्द्रस्यत ইছাবে, **ভাছা**রে কে গণ করে, কঠ তের ৬**৬**০°চন रमिथा। कर्षि देखें त्रा फट्टा कार्टन, श्राह्म क क्या करता, वा बादहर, क्षि च क्षि । मध्य कर्ति कडिक्स, चन ८६कू कुण्डूस, श्रीके बन्न ज्याम रेमोर्जिनकार्त्व । जरश वित्तरत माणित्र, बरम मुक्तीन्य कप्य, कंबल किका मेरवीयरक । भीगं कि स्मिथा তিকৰ্ম **কৰা জিল জ**কুলি কৰি জিল্ল কৰি কৰি লোগি চাল্ল সম लेकाक खरती प्रताम खर्चि जी भीतते, समुग्रीमी कात में कि हैं कि 🖟 बरहा दक्त तम जानका, ब खरहा कि मेरिय लाइन, महें नहीं खेलेंगे केंच्चिरिट्र ।' जियमी देशालान गार्ट्स, ब्रॉबेश सझेत ्रिं, क्रीतेष प्रभिन्न हिन्द, करत मू कर बन मान्नुक, · मिलिएसेर एका. क्रिके बिकास अक्षमारत । मृष्ट्रीय**ः व**रस एका, योरखंग कप्रकि यथा, भाषां वहेन वदार्यका द्रमंग्जी हर्देशिलंकि छात्रन निज अख्दातः वर्दे मानू जि प्यक्रमिक रिक्ट कमा लेक्स बादी, इंग्ला केरद लेति हरि. নামি প্রীতি ষ্দার্রার ঐতি: পণ্ডিত মনের তাকা, वमात्रा महिए मधा, धाकुक या मध्यांक उद्दिक्ति । अजार বাছাৰ যোষ্ট্য **তে প্ৰিতে প্ৰিল্লেন্ড**্ৰ, স্টেডেন্ড্ৰ মা

প্রদান আন্তিম রজে ভজে বিনাদ্রী হন ক্রিনী সংজ্ -জিটির শেষ সকলাকরের নীয়ে নাবি নিম্পু চরিত্রমান্ত দক্ষি বির কর কর্পক স্থান্ত মাজেন প্রকালক প্রিপি সা জানাতর শ্বক্তি ন্যান্তকর্তী অর্থ কর্তা প্রতির প্রতির ক্রিনিছ্য হয়ে মান্তির প্রতিশ ক্রিয়া মান্তম এ আ্রীর ভারত নিজ্ঞ তিত্রিয়া

শিতার পাতি প্জান

তি তেওঁ প্ৰথম কি উপাৰ্থনাৰ কৰ্মত কৈছে কাৰ্যনি, হয়। জিতি তালিক কৰিছিল কৰি প্ৰতি আনক আৰু কি কাৰ্যনিক কৰিছিল। কি কাৰ্যনিক কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল। কৰিছিল কৰিছি

অনন্ধ। দেদীপা কুল প্রদীপ সক্ষরীপ কানে আর্ডি সমানার মঞ্ যুক্ত ম্ইপিন। ভাষাতি সভাছ ७ पृष्ठीकारीभाषिक्षिः त्नोवतः मृश्रास्त्रां सम्बद्धानिक नार्वतः मृत्रावः स्वतः इंडरएरह । जरर धरर्वत प्रकृति धनर नरमामा अतः महानारी ক্ষিতে হট্য এড়ায়' নীর ধারা। ছত্ত্র ক্ষান্তারাত রর্থণ ক্রিমতটে ন্রাভাতিমানেশহররবাটিংছইয়া ; স্থানাপ্রটিছ : शक्तांत्रम का का वाका संस्ट्रेट्टिक ने

- अनस्त्र शृक्षाहुछ न्द्रकः अस्त्री मनाक न्द्रती विनि किनि द्वीप्रशिक्ती क्षिमिली कामिनी ग्रहकमुनामिनी अपि পোহানিনী বৃদ্ধিনী ভুজিনা স্ক্রিনী সংক্রেপ্রে ভুজে নানা अंतरक कालाकारण श्रीकालय :

সাধ সুতের ১৮৩ম 🕽 💍

- প্রার ৷ কেথারেলে কপ্রপ্র গাইমা চেড্যার - কলে হাণ কোণা বেল কামিনী রতন ১০-৩য়ের মেতা মন্ত্র ১৯ট कि भूगोन कहा । . नहाइन एम्बिरक शहह श्राहत छ थू 📲 🖽 নৈর্বাহন কানের করে এক প্রবাহন ক্রান্ত। ছেল বুকি बहे शह भृष्य सीहत **समा** । शहरी करणात **स्ट्र**ए শক্তিত । <mark>আবেলা জ্বেশ ৰপু</mark> তকি বিপন্নতি । লেৰচ্**ৰ**ণ ৰূপ্তস করিয়া চিন্তুন ়ে আশাক্রণ ভরীচত করে স্থারিতে পুত্ৰমা। প্ৰছে বনে খনেৰ জাবিয়া তথ্য। কোটিফবের । ব ८८० कतिम शारक । किंकी जाचि क्य अधी कच्च क्लानः প্রথা কি ছট। কেটার ঘট। সাদিব। উপরে।। প্রক্রী তাল পরিসাম মহাবেরে পান। নিক সাম পরিছরি রাজ্বাম হান। রাজবাটা নিকটভ, যে সক্রমুখী। उत्तरमञ्ज व्यरतिमा हृद्ध इक्नेम कि ।। बहुन दकाया यूक्ती भागि हक्की झाकूरानी। (इंदल शिक्त , उस नाइ है ल দেখি স্থানি। ভোমাদের ভাল চিন্তা সদ্ধা মক্সকণ। কজাদেয় কৰ্ম আৰ্থ্যা-কিৰপ শক্ষণ ॥ এলান দেখি কৃষ্টি প্রাক্তাইক প্রি প্রাক্তির ভোগাডোর সার মার

কোনি। সাজ্য পাঁয় দ্বিনে বাদ্দা কণিব। পুহ হলে · ছীয় সভা জ্বোভিষেতে স্থিত। এই বশ্লা লাল আলোকেয়ার ८एटमा । अवना कठिया खरम स्टिसाटम । । १ हेन्सल जिल्ह ু সন্তঃ সূত গ্ৰন্থানন। হয়ে টিলেন আগের। িং রৈ কবিল । क्रिक्स कार्म तोष रहभू स्ट ८ ए । काल लिख हरत िक कामोश्रेत वस्त । भिरम्परम वामो विशि जिल्ह राष्ट्राच्या । अभि छाष्ट्रा लागी लग्ह ५ हेट लगार्थ । नुस ণ নিজেলাক বিশ্বনিক দুর্গতি কার। কামার নিজন নিজে ৮৯ • 7年4、12、1 程度通信通信制制 物研 好伤,好倒一起,大约 লানে ^এটো চাত্ৰ্য বিষ্ণাক্ষেত্ৰ । কেবিয়ালা ১৮৮১ চ বলে মধ্যায় । কুঞ্জিং মধ্যায়ের পর শংস, ৩০০০ । ेर्ने अवस्थ रहरण विभाग भाग मान एक्टर । [[] 1] T. (4) 古斯语所用 (FTF)[12] 电影音器 (Windig ান্য ৷ সন্তাহাল **পর্জি**য় জোলেন সংস্কৃত ও স্থালের · 14 · 17 · 14) 遵 "哪種"对語: · "即更"是 法信贷人 "好"的" · 11 人。 医鼠科 人名俄格勒克姆德阿斯斯斯特尔 医克勒二氏管 化二氯 र्गाति भाग ने अवसी । योगस्तित गर असे प्राची · 朝春 也 10°1719時間 医多度病 一 國際政府等(表 多)公开、农村 🍦 লাগে স্বাস্থ্য ক্রান্ত্র কলিক কলা ক্রান্ত ক্রিয়ে 🧸 শ্রুত भारत होत्य समा का किस । वन्त्री व तह । १४ (०) 衛節 可能,可能稱藥 神智 化脱氧性乳毒素 化二十多二化二 , वर्णवर्षण नक्ष (क्वाकिस्मा) क्या एक पुरस्य एउट क्य िकार १ - अपने विदेश एक पाद सक्क १९३० रहा १ - १ है। हा , ें भूज अन्तर विक्रियात्म, नव्य ॥ विकास वन्यपदान । वि व्हार्य वं के अपनित्नम् जन्मवीन चल्यावर ५५ । जन्द्रवर প্রত্যুক্ত তিকুমার পান্তিত । জিলালয়ন জন এনে মাধ্যেরও

त्ता जिला। सम् १० जाम काम महन्दत व्यक्ति । कीतम कादा तिस् ता, ११ व मीता। क्षांच्य विदेश वाक्क विद्रा ११११ १४४ - १४४ १० में १४४ विक्रिक विद्राप्त ए दिल्ला, मामाना जमा शिक्य विद्राप्त मा। असे क्षांच्य १ क्षां ताल स्था । कामा का ११ कि तांक्षणा स्वीति अस्त्रीम हार जाता । १९१ व्या ११म सम्मान स्वीति ।

শ্ৰক্তি:

লন্ত্ৰি সমূহ কালে ভাষ্টাৰ লে ফাৰুৱৰু রণ বালি চুক্তানে জনসংখালন ধন্মতেও সোধা **উ**দ্ধ ০০ হ'ল কাহিছে ৷ এক জিন ক তাম্ম্<mark>পুৰ কৰ্ বিশ্বৰ শত</mark>্ on thems by a go the an existing the 医凯克二氏 化电极电流 化化二基酚 计编码分词 化二氯化氯 李进 医乳头 化二氯化 化对流 化二氯化二氯化物 鞭子的 化二氯化物 (1984) 断头,一声就真,"似乎还是大路安全是, 侧侧刀。 e tradition of the state of the contract of the I a timber to the action taken that it is not to Program Commission of the Comm THE LONG TO STATE OF THE WAR THE COLOR OF THE GARD OF ा अपूर्णिक प्राप्त के अपूर्ण के प्राप्त के अपूर्ण के प्राप्त के अपूर्ण के प्राप्त के अपूर्ण के प्राप्त के अपूर 简。 主大规则工物化工物机构燃料的 克里山河 经报酬 জন ব্ৰহ্মজনলৈ বনৰ স্থাৰ আন্তৰ্য সুধাৰণৰে সমেসৱ ৮ अंक संदर्भ के कि के किया अनुस्था के किया के लिए ९७८म | इ.स.स. हिम्मोरी मुद्दे एक्कारी स्ट्रांस भारतम् ४५ । । वहारण क् **त्रिः र**णपण्य संघरा । 💎 नेदरश 化铁 露起波 () ""你"(宋 不明 所謂 西斯斯特化) 严格 化油酸

तथ महिर चारूके लक्ष्रभव वस्त्रम वस्ति महस्यान स ্রশাসিদ্ধা কিলোপ কলোল হৈটোলনে যে বৃহত্তের ড'লং अन्ति अलाहरूम भागिया इन्द्रोत महुदन, मा भागिल एक सन्ता वर्षात प्रकृतिभ गर्णात दमाणान् । ता श्रीकः। ্রির - বিবাহন নিটিবকার অগ্যম অভিন্তা নে ১৯১৮ তার। ঠীহার পাই হাটার প্রাক্তা পার স্ক্রীয়া হাচা লাবি 她也一、可以你有情好的可以再看你明代的妻 和前 एक हे ले. जात क्षेत्र कड़े भयाधा भेरत करीन करते शर्दी शर्दी समीत करें। १९० १० भीता वर्षे कि जान्मर् । रहसस्य उक्तात - अंदे रहे प्र. १ - इस्तरन व्या क्षणात गाउँ व्यवस्थान न होने ्रकल्या र का १७५६ ल्या एकाइक्या क्याप्रमा त्यामील का रा TO THE TOTAL MENTS OF SECURITING METERS ুটি সাংশাদিক জৌকান্ত আনি সাক্ষিত্ৰ জোকাৰী কৰিছিল ভূতি লে।বিজ্ঞান্ত। আজিলাম্বালি । পর্যালি জেলাবালি । সাপের ১ই 21. 野、 To L. 网络特别 101克斯 THERES 图 我国政策 राजीर गेरा । तुम्रः जाईद्वर १९४८मा । जाराई ५ म ४,१म ६ के कुण्या अस्य THE THE MEN THAT THE STATE OF THE MELL HE P. र, भाषात्र वर्षात् वर्णीया । एकः प्रतिका अपके, विश्वव 不过的 的现在分词 医眼前的 经过期产品 医二甲酚酚 经重新销售 ुराहा को रामधार में पुरायक्ष अपूर्ण हराहक को समाप्त करने। 正海上。 由信行期 安阳性的 阿斯伯斯 电影性 表层性 · 照代数指定性 明明, 自机器 州东河 网络蓝色 测剂物类产品剂 के प्रथा, विकास कि किया कि का कार हा है। अहा कर क दिला के हिंदेब देश निष्ठ में कर भारति (८५ कोईप्ट है। एन वर्ष नरहार) भोगिता । स्टाइक्कर अस्तिम स्वतिहार दान्नीकरः, विस्तास क्षां भारत्ये ५ ६ (अभाग मा) ५१ रह मान्य, ६ ५ छ। ६ त क्षाद्रश्रां नोदकाञ्च काद लेख किल्लारहा के, भी दाहर है। ८३,५४

४५ ल हहे(लग ! एपन कहें। कृष्टे **लए** ७९ ६१७ **४५** ारल कन्। युक्तिक वाना हात अभवन दिशहत दिशहरी अधन িনর ছেত্রে শূল মতে কালদতে ফ্রিটেডই কাশী প্রসেশি ্ৰি, বি-ছাস্থাৰে উপবেশন করিলেন। আন্তঃ স্থায়ি নজন एक रामरक मुम्मा खायरलांकम कतिहा मरस्पनः, काक। প্রতিষ্ঠালালা**ন হ**রিকেন। তেম হে প্রত্যি কান্তি ा, तक भूमिक कतिया अखना जामि व्यक्ति मिक्रि भार भार किलाग। जार लागि देवलाम अर्थेस खालका । তাং লাখ কালা সামে তামোদী আভিলান ° চত্ত। ইছম স ংখা । ে ভূমি কোটা ভিল বেলা গ্রহণ নিব দ শংল ছালল এ সাক্ষামায়ে বংশী বিজেজ দুৱিকরৰ স্থিতি তেওঁ চা ब्रहरतिकार्यक्र व्यक्ति केन्द्रात्ति स्वर्णाति स्वर्णातिकार्यक्र व्यक्ति । अस्ति स्वर्णातिकार्यक्र নালান অধিব উপাদলে কোলা পুলিনি লাহত নামিকাল এছ भरकाम्र **क्रि**म सम्बद्धनात्त्र व्यूक्त । दक्षांत्रम् आन्तरेष । आ मुद्रा है। के हिंदे हो । अब र अल्लाहरण अल्लाहर असी प्रक्रिया कारत । भरेष्यु १ स्टापान्न ए । १ ीतहरूर अन्य देखांचात राह्य भवान व महाराख भवा । । , श्रृष्टामा जाए कर्यानह गर्ने कुर्या (विकित् ए अभागा) तथका अद्यापित्व कर्व श्रीकी है। well of the service मंत्र महे कहा के राष्ट्राच्या होति ।

ক্ষান্ত্রতের চেন্ডানিক কেন্দ্রার বর্মেল সামে স্ট্রীক্ত ক্ষান্ত্র

্যারে । গণেশের গণ্যার অনুষ্ঠান হার । কেইজ্ব । গণ্যর কাট্রার ডাড়। গোরণা হাইল রাজ্যে। কাট্রার নি । এনেতে পাইল বার্ডা রাজা গুণ্ধাম । কানুচরে আদে দিয়া জাকাহে। আনিয়া। বাহির দেওগানে রাজা कि छदिल विशाहः जुद्धि महाघटत मन्ते छाद वस्त्रमः ষ্ঠা হার্লে। ক্রিন্টি হয়ে ত্রমিল ভগম। ব্লাক আন্ধ্রে মন্ত্র-কোচেত্রি জপনসং । অভি পাতি মান্ত আন্ধারাকে স্ব বংলামত গ্ৰহা। গ্ৰহ ।। বন্তক মহামালা নাহাক। এন চা চ। গ্ৰহা সৰ্ব্যান সাস্থাস্থা ক্ৰিছিল। প্ৰকৃতে আপন ক্ৰি किंदिर अन्तर । ११वर् मह। हिंद्या कि केद्र करते । १८४ कार । । त्राक्षा घटन महिन्दा । स्वतान ५१८१ । हिन হয়। তেওঁ বিভাগে ক্ষাইন স্থানিকের প্রাক্তির আছিল পরে। 特色进行 经工作等的 期間以前的問題 人名西贝克斯德 南北人民 वास (श्रीत) तम २ १ , १४४ , देवत एवं स्वादर इं समुद्र १० । १८६, ७ 我看你 计信息 (中心 抽稿) 1000 一点形态 网络不断 的现在分词 不过最大的人的变换严重的现在分词 医牙髓 医二氯化邻苯酚酚 人名 ন্ধকর সংক্রা ক্রানি চুক্তী আল্মানি চাট্ছ 🛒 চিকু কিল্লি কাদ্ধ পালে জিলি জনিব । বিভূৱ কাইল গুলুই বল Section of the sectio 医环状腺 有效的 化二甲基磺胺二甲基苯甲二磺磺酚基苯甲基酚酚 পানিক সাম ১০০ ভাৰাকা আটোইছেডি ভাৰতালয়ে চিচ্চাবল্ रामेनाहर १ १ । ६०भाइतम् ४६० विर्ने १६८६ समूर ধর ভটা পর্নিটিছ জন্তন নশ্ম গাহিতু **স**ংশ্ৰহ नारक राज्य र का २० खिलिया सम्बन्धित मानु गुरा ४ व्यक्ति ५) र त कार हो सह पर असे बहुर । प्रमुख्य हो १ के छ उ भूतक । अन्तिवाल भागत एवं कामाराह मार করিছিলে গোল মহাবিশাল সাপে ১ জন্প ম্টেক্ত হ' , ৮০৯ ভ ৰা**থি**য়া বেহাড়ে করে**ুব**নে গগ্ৰস্থির চাহিছে 🔻 👵 🔻

स्विद्र अ.व कत स्क्रीकाल । कार्य किसि स्टली स পান প্রস্কার ।। অন্য রাজে একে যদি জামান্ত। স नमार्थ कार्यास तम मिटन कि गड़म ।। अहे ताका है पर , इन प्रस्कार । कांकारमारस एक का एवं पान पान का कार्याता न इ यान वामा घटन व्यानाकार भागा। जारणा उपित अर अंतरिक जाना । जाहांना राजन आणि स्मिनाय প্রে। ব্রাক্তার ক্ষামাতা ক্ষান্ত জ্বানিনে ভরনে । নিশিক্তে का भारत वाहर कम नरहा वक्षा । टक्स महिर्दा वाहर क्री ा रहा जान जो १। अवश क्षान रहर्स करिया मुन्द एक अपन स्थान रहन शालक त्रोकल । कर्नुव्य स्थान वित्र प्रांमाहिका बाह्न । वार्यकारस उपवर्गः। व्यक्ति । वृ हिना संस्कृतिक एकि करान एक कार्य । ५-१, इ.स. क्रोना दिति र राज्य । ताक्ष क्रांत भाकित १०० १ । ার জ্ঞাপতি সভাগে শম জ্ঞানতে সম্ভার ৮ - ব্যাস এক ধ ব্যাল্ড এইবড় সালে কয় ।। অপানি কিবলাল ক্ল হাত্র ।। 43 大何 歌《歌剧》《新江海 Hand · 柳月 復賦 अंदर नाहरू मार्ग्हा राष्ट्राध्यम । अंदर्श हार्ग १८५० वर पहिल् अब्दे लाग । एका विर्तिक मह अवहाल कार्य अब्दे अवहा ेंद्रणस् का कारत दादश्च । "ध्वीरकत रिक्रिया । अहा कारत कारत নাটে তা**লি**টালন বিভিন্ন কাওকলন্দ্রতি তালিয়া ভ্রাক্রি নাজ্যতে এইজন সাম্ভানত তাওঁ জাতি **কবি ভার** কলে। তথাতি । উপস্থিত গাঁতা লাক্ষ্যানি । ्यार् यापावा प्रोध निष्य निवस्त । ज बार्य विभिन्न र्भात कर विवासार ।। उस राजा विशादक मही एवं त्याका লা স্বাং ইন্স লয়া করে জন্ম মহাশায় য়া **এইবাপ** মান্ तिम १८ : मध्यारक । आधारमा विषाय करव पिया उष्ट-বন । আন্দ্রার্র বাজা ছট্যুম্বন। বলেন্সভার

हारक जल्प ब्रह्म वन ।। वस कार्या विद्यानी व्रहेल अक्ष ক্ষা সংগ্রেষ্ট্রে অহ্যেপরে যায় সাম্রিং ও চাঞ্ काम। कवि महत्र मधिसीयत करा। हाकुतारी कहा 🚜 रहति मत्याप्राः व्यालातं, भाक्तिः भक्तिः इति नामा भारतः एउ कामण्डात वृद्धं कानगम ।। श्रांत हार्यः इष्ट व्य भागम भागक। के बाब श्रामक काछ स्ताः हर्ष । तर्माभाग भटना उत्तरी खेल प्रामानिक संस्था राज्य करत का साहेल बीएक । अहेर रू करण हाली हा का भारते । 'उत्तर्भ व्यक्तिका मुद्दल क्रांति क्याँग्यास । उत्तरहाय ्रिक्ट्रेंबर प्राट्ट मुनिया। इस्टरी बिटानेहरू श्रुष्ट हेवालिए । व्यारक्ष गाम्स द्वास कर मध्यस करार । स्वीत न्तर की कालि स्वाहर किस इस । स्वाहन हैसारण अन् कर 如此, 文化 · 我们不知 關係的人 1995 · 网络脚 数十分 15 中国知識 अक्षात गाण करीत क्षात्र १७०० कक्कार १८३६ तुक which is the single for both panish this 高水之間 實 智识 公约第一 原南东流 人名英 Park 电波 有更加工作的 经一种国际格 电影 1期,是它。 बिद्धान । असि साप्तरी । इस स्थापनी ए सहस्य ४०% व भनिक्य करदे पुर्वक भनिक्य । पश्चिक्य भरितन पृष्ट् । লগাৰেম মাজিৰ **প্ৰচেত্তৰ আনিন্দি** মান। এক চৰত 胡椒油片 配理性描绘器等,容性同比,这种信息,有于疗法。 (明年 自然在1) 对研查的 重要的 好 西 多花 水区 中心。 লোজন নেবটেতে কলে নিজেন ল প্ৰজন স্কাৰ্যা কৰ वनमी आरोक्षा क्यारे केंद्र करा, कर रक्षा रहार , काष्ट्रांना महिमीतन कर कार्याक्रमः, भार १८०५ 1933 超學 相合(管 海绵石)。 各种病 智(新聞)物(海 新贯克.

ाश मधी। मध्या कवि मध्या भिका भगावत प्रक्रिति। १९९४ १३ कवत १९३५। स्टमार्थ कव्रा भिक्रमाथ खार्याक १९८८ १४म क्रियान्य ॥

🕖 রসবাজীয় সজ্জা 🍪 💮 🕟 👫 🖭

वर्ष विश्व कृषि स्वतानम् कि किन्त का विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विषय

বৃদ্ধ পর্বায় হাজুনজি পুনার নুষ্ঠ কাল্ল লালায়ে। আনহাতে দ্বান

क्षी । श्रीक्षित्रं इंटरम, ख्राम स्था स्था । स्था अर्था अर्था । स्था अर्था अर्था अर्था अर्था । स्था अर्था अर्था अर्था अर्था अर्था । स्था अर्था अर्था अर्था अर्था । स्था अर्था अर्

্রব্দেশ শহিন্দ (১৯৮৮) এর ১৮৮৮ - ১৮৮৮ সংগ্রহাস্থ্য ^{শি}শ্ব বিভাগিত

ভারতের ভারত ওজনার পুরিভার এবটো বের্ছিল বিজ্ঞান করিছে বিজ্ঞানিক জিলার বিজ্ঞানিক করিছে বিজ্ঞানিক করিছে বিজ্ঞানিক

ন্দ্ৰিন্ত কৰিব। বহুংসাহটো সেণি হ্ৰাণ বাহিত্য জিল। সন্তাপিনা তেখন কাৰ্তিৰ স্পানি, কাৰ্যান সুখাই আৰু সংক্ৰেন্ত নামলনাখন হ্ৰানত বিভাগ বাহন কৰিব। নামুবিধা ভাদত , আক্ৰেন্ত স্থাত কৰেব, স্বাধানত ব্ৰাহ, অলিভ কিবা অনুষ্ঠান বিজ্ঞান স্থাত হাৰাকৰে, স্থাতি হাৰ স্থাত ছার, এই যেলো গলাধার, নয়নেও কি ছেরলা। কেন এড় কোষে ভার, লাও চলান মানাহর, মুখে বলি ছারং, ষয়ন্ত্র লোমে করনা। যেদি বল গলাধার, গলা পরেন শিব্রোপর, এয়ে ছোর ভারান্তর, গলা কইটা মলা। তারে স্থানলো উএর, তিনি ভোনন প্রপাধার, এতেমকাপরোধার, ভারান্তর ভো হালানা। প্রের যদি কছা বাদি, শাল ভূষা শূলপালি, শাবে জটা অলে ফর্না, কই লেশ্ব ভূলনা। বলি ক্ষম অলপ্রে, মুখচন্দ্র পায়াধার, শালি ভূষা নিরন্তর, ভিন্ন কিনে, নালিকার ফ্রা তার, কাল্ডভেছে লো সক্ষম। নির্হ বিরহ শলে ক্রিভে কালা ক্রমে, শ্লপানি বক্ষম্বল, বহরহ

मार्चक्रवीत मादका क्वी**ताकी क्यानात मुख्की**।

 ইছার পুক্তরে আমি দির করিয়াছি গৌরাজা কহিল ভবে বিলয়ে কি ফল বয়দিনাকে হরায় নল। বথন দেন। বর্ষিন্দার বাকে। পুডিবাকা পয়ার ছব্দে গুদান করিছে-ফেন।

क्षाभीत अकला।

প্রার। যাবলিবে প্রথমানে কিছু নিখানের। नुष्ठ कुछ न म उर्दे प्रति स्थान स्थान । द्वार्थिक व शक्ति अभि भारताला। भारते अभिगत्सं इत मानी तकः। জুলো হল (মৃত্র লেগা প্রয়াছে **ফালো** । দেনে প্রতি कारण तीक प्राप्तित करा है। इस का निर्माण में किया कर कर कर साथ है किया है किया साथ अपने स देशक अपेरे में के किया के देश के देश हैं कि स्मृत है जिस्सी প্রতিক্রমণের হয়। ১০ কর্মারাদ্র সংগ্রের হ'লেকে, হি, সরু। 医甲腺素 医皮肤 网络沙丘 化邻甲二磺胺甲甲基甲二酚酚 医二乙烷 ভাল নত হলে লে কটনত মধ্যে ও নিব সেয়া केन बेट्टान् र हा देखा १००४ मा बार हो हार्ने । र पर्न राज्यात् । व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त 植菊间有眼 50%,因称是一场针刺,这个缺乏性,所以这个不可能。 CORE TO THE RESERVE OF THE STATE OF THE STAT CHETHER FOR LARD A TRULK BE REAL HOLD 金融的 医甲基氯化 安全 经净收益 经付货物 人名德尔 经货物 भूक्षा ब्रह्मा । १ रहन्या व ब्रह्मा सम्बद्धान । १००० । স্থায়ে হান্ত্ৰ প্ৰত্য তথ্যসূত্ৰ মধ্য দে এই সালে সংগ্ৰ माकारम मर्ककमा नाइरास कालाग था. ११ वर्षा प्राचा

माना प्रभातिक शही कर्तान्त्र ।

यक्ता । भारत भूराज चुक्त मास्य भराज बागदर राज

রূপ পরি করি, মহারাজার জামতার জক্ষা ছবি নিয়াবসন সময়ে বহু সক্ষার নায় সভলা দুস লাস্তি ছইছে
নাজ পরিতে প্রবেশ যাত্র একা বিভিত্ত কানাদি করিছা
ক্রাড়ার প্র মধ্যে রমন পুরসের রমনজার সহচারালজকরের হাস্য পরিহাস্য র্লন্মা। তে প্রকৃষ্ণ চিতে নেরেই
নিয়াক্ষণ ও সান্য রিষ্ণ আলোপনা হণ্ডাদি করেন।
নামা ল স্পরিবারে নায়ের হিলেব সেই সকারীকে দিইস
বিষয়েশ সান্দিত হইছেন । অলিচ রমনতা রসরোগণ জার্মন সাক্রাড্যান্ত কালা শ্রে আশা শহা দিন্তারে
বুলি লেজেন লাভ্যান স্কান্ত কালা শরে জুলাই খাবই
ক্রিড়ান ক্রান্ত নির্মান স্কান্ত কালার শরে জুলাই খাবই
ক্রিড়ান ক্রান্ত নির্মান করিছেন স্বাহান্ত স্কান্ত ক্রান্ত নির্মান করিছেন সার্ল্য স্কান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত নির্মান করিছেন সার্ল্য স্কান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত নির্মান করিছেন সার্ল্য স্কান্ত ক্রান্ত নির্মান করিছেন স্কান্ত ক্রান্ত নির্মান করিছেন স্বাহান্ত নির্মান করিছেন স্বাহান্ত নির্মান করিছেন ক্রান্ত ক্রান্ত

স্কল্প এক কে: বা সভার বিশ্বিদ প্রকার চিলা।

বিন্দান নগভী রস্ভাস্থ প্রার্থিক জালেশতে,
বিনিধ্য প্রাক্তি কার প্রাক্তি নালেশতে প্রাক্তি নালেশতে কিন্তুল কার্যাক্তি
বিষ্ণান্ত লালেল কার প্রাক্তি কার কার্যাক্তি নালেশত কার্যাক্তি কার্যাক্তিকার কার্যা

किदम, शांरे एउ छनि खना स्मान किस नायश्रम साह, मात्राह ज नरम काय, शायी (छव बन्हा (वहाकत ॥८५)व किया (मांत प्रातः शिक्षाम विश्वम व्यापः धर्मेन दि ্রিরের মুল্ড। এফালে এ, তবা প্রাণ্ড, ভড্ড ফা**ল** স্থা बर्ध कर कर तात केन्द्र कर है। इसे दिस जारत है औ করিনে বিধান পানে ব্ৰাতাৰির সিন্ধা হর। এনত রুগ भारतिकाल, समामाना सामा देश होता । जिल्हा र केंग्रा । केंग्रा । तामा ा, र १९८८ विभाग स्थान स्थिति । स्थान १८०० । स्थान १५० ॥ इन् । west of they are the starting weather specially ांग्र म कोर्ट म उठे क्या गण करान, उठ रहा होत्र रक्षमा प्रकार प्रिटेश प्रश्नेतन असर्थे विश्व काल्योक्स SEE SEE SEE SEEN SOUTH ALL THE SEE SEEN SEE THE SEE SAN 17 . ्रस्य १ स्ट. १ १५६६ सर्वहे १ ८ ^{इन्}स, ७,३१,७५५ स्ट.५ स्ट.५५ railing for the same that there is a new recipion ব্যবিভাগ 🔑 🏋 প্রস্থাক্ষরে, মন্ত্রান্ধরে রভেই ব্রম্ভ বল্ড গ্রেষ্ট্র প্রান্ত বিধার সালি হয় সুক্রিয়া স্ক্রিয়া প্রাণ্ড প্রাণ্ড · · YOM - [4Ke T. Dest] WITH HORE PORT - WIRDON FRO সময় ব্যৱহার নিজেরতা মহামতে তারবা রূপমার প্রাক্তি ABOUT WALL WAS INTO BEEN TO SEE TO SEE बर्म म २६८ (६) ६, छ फालि, एक प्रश्नी स्रोता होने, प्राप्ति देव प्रदेशन घरात्राचा विच्या है है है। इसे प्रदेश खड़वीं बेब्रा, खाउर क्या एक खरा । उद्यान पा १००० १०७० 哪!呀! \$P\$6. 军费引起 智用增生。 (1915年 1915年 1915年) प्रीक्षित । आर्थ दर स्वासका मुद्दी, वार्गप्तथा, गाहित वार्गित भिरंदक क्ष किर्देश्च सभीता । जात्क देशां देखा कटलेश्य, र ८१० मी मेथ व्यापहरू, उर्था महा विष्ठ एक न का अक अहर व

वमरी, मझानिका भीका मधी, खारह आवाद मूके भना-मन । এতে পত किन विदम, जीवन वार्थ क्रीवरन, छाइह শ্যা বাহি হরি লন। একে দাশ মেল লামে, মৃগাক্ত কল-স্বে ভালে, ভাছে আবার রাহ্মণীড়া ভয় ।। **একেড কান্ত্র** उनकी, याँके मुना अकाकिनी, एएक खावात शहराहर গল্প । একে ৬ পূর্ণবৈত জল, দৃষ্টি বাছি হয় মূল- ভাছে আর কানা মেঘে ভর।: একে চিরস্থায়ি রোগ্য শরীরে ছাতেরে ভে:গ, ভাষে হয় গাভিক প্রভাব। একেত স্থা বি -জিলেন প্রেটিক সালে থিকে মহল ভারত পুলাওগলৈ মা **লামত**া करत जन निवाल्य, खाट्ड निनि उममय, क्षार स्वन घन भाका आहा । उद्भाव वर्षात्र मध्य, लागरेवन व्यागराया, বলিকাতে শাবে সপায়াও । কে আর ছে তেখে বিষে, নিস্তার অসিনা গনে, জনাবর মন অপরাধ । সাপিনী e প্রায় প্রায় কি কিছু যালে জ্রানি ভাবে মন যুগাল প্রাদ এবে এটা আপায়, ভারপার কৈ উপায়, জ-পারি তা পার ক্রিব্রি মিলি মেলা সর পারি। জাপুরান্য রক্ষা भाषा, जारम व्यान व्याप[®]राध्य । अन्य करे समा । नीम, क भ्राभारम् शासका (त्रः, खारम् वरः उर्वरकोत्नः । यानीदः 翻节设备 衛星 大家人们 的复数苦烦 侧的 使为自然性气 প্রক্রিন্দুরশ্বর ও নাহি ভুল, অভ্যানতে গেল কুলা, জুলা পুলাসর্কুনে চাইল । অধিমীয়ে অনুস্ক মনে সাস্ত मान क्ल, नडक म्बामामा अकि हुन। अके। ताती इर कारताः होद्रेश वृद्धः केट्ड क्लानं, स्वतना इत्त नवनावी मोद्याः রণে অসমের টাণ, পোটো করে উপছাল, নারে পৃথ ८१ था ेहरू लाइड । देव रहन दोना घुणो, वि मूर्य हरे लि पुर्व एकर् उटल एकाची हजावां। एक्ट् वरल साहेर्,

कि बालांके गुरुव छाहे, कान मुध्यकाल कालि किलि । খাতা লিভা স্ত্ৰাজ্য আছি, সকলে ৫২ বিবাদী, কেছ দুখ मा द्वारच्या किट्ड । ब्रह्मानी श्राप्त कुल, दका, नदम क्री, मुस, रक्षर उर्था प्रांस रंगान भीरत । खोरबारकः अकल-जि. ट्रिय माहि स्राप्त कोंटि, मञ्जू कि समूद क्यांपानण अक दलायो दमरे सन, वृक्ष दम् असंबाध, वालावहर्ष मा पत्र भौरत्या। प्राफारवर कमि क्षक, ब्राक्टवर्टन एक. श्विषितं, सत्तात्र स्रुक्त ह्या । ८मप्टे क्वल मानीकान, व्यानका हा क्षक खोरल, कैक्सरा समर्गाह भन्न । दगङ्ग मछो क्नावसी ৰূপ পাৰ্য বিভি মতি, গতি বিনা কি গভি ভাছরে। ত क्षमात्र अलमिति, गात् कृष्य स्वभित्रि, जनमुद्धि कहाश निसाद । अहे कथ कांत्र कान, श्रीमाश्रम (यात्राभारम, दश्च करिल कार्नि अक मचा । ताम दर्शनी अंक कर्षे, स्व सहित उल्लेखिने, इत्य एकन शहरू वल ६५ कि । दनम स्टा ्र्डि **खर. श**्लिख सर्वरक नः ४(लेख खब्द द्वलुद्ध : व्यवस्य मा प्रदेश साहा, व्यवस्थाती श्रीत अहा, ज १९६० कि স্থাস্থ্য প্ৰাণে পয় ৷ কি ভাবে তাতিছ স্কায়, মাধ্যন হাও क्ष कांग, अस्त कर्र कि गरन केंद्र । जाना करन संश्रीक তে, কোন বাধানাহিতাতে, মহলাবী প্লংক সভা ৷ দালী बारका बाक मुख्त, कविद्यान छिति क्रिका, घरतर अले অপুচয় । ৪ - মিপা) লাখি ছোলে, প্রকাশ করি কেমনে, व्यक्ति जाद कारा चिक्रित रूपा शक्तिवर्गन्त शका, সবোতে প্রকাশ স্থা, শত হৈতে শক্ত জানা হায়। পাদ বিশ্ব কল্টকেরে, কাউতে বাংকির করে, তন্মতে ওড়ব ্টির लाह् । अवस्थ तरिय जनम, उग्रंड करनर के बन, जन रिविटोट्ड **भारत धरण। भारत्यक (यम**्ग लाख. ८२४

क्ष कोटल खोल, कारल कोल इसकार वर्ग अस प्रकृतिकार ल्ला, अवस्थित स्टाप इंडन, हस्कार हमता स्के करता । आहे इधाराध कर, इनगाको चित्रका, चेनिए बाज आमा हेन केरे । अने प्राया हार राजा, न्यारा, कविया, विका, इनवर्की पानी अन्ति कस् ४ वृहत् अवना स्वान तथी, उत्पाद बलिएक इस्ता कि, अनरे बहिर समुद्रत । विद्याद्यक्रतिकात ही, तानद्र व्यद्भा कृति, व्यावसाथ धति स्मा । इत् । वमाई 🗻 का हिन्न शास, दलिएमन धिरहरे, मधन्य या स्टब्न्साक्कारण करत जायं भया है। का मिल्ट्स कहे थन, श्रदार पुर्स दसन ল্যা কা হানি এই ব্যক্তান্যাতা ক্রিলেন প্রাণ, অন্তি জীবে কেলিডা,বিপাকে ৮পক্ষৰ পার লাজ, আদিয়া-ছে রমরাজ, বুরি ভার্মে হিচে সাং সার। সেই জন্য পুরু সংল, উপায়িক ধরাবাদে, স**ক্**য়াটি **হারদে বিবাদ** । पाइन १५५% मेराहा किलामा रहि, **पाइम मद्द्रा** रिराज । जिस्सीत जारमाम, जुराव तकक शारम, बस्त श्राम, तर्र नदिक्ष :! ●

পুংশন হাইয়াতে, এচকতে অভিলাবি দে তেমির সাকুর पुष्त एकन दक्षमास्त्रीरभं आरवन्तं न्यव्यक स्वत्य मस्त्र सर्वा 'बदल वक्षक वृद्धि वृद्धिक रह अवानुकान अहे सहसूर्य হিনী হর্মা চরি চার্থ কই। অবঃপর এই সনাক্রাকা भाकिना अध्य भगता सभवनगाड मिनिशास अखारासह अर्रहार है जनम कडिएमन, फनाम मुख्या व छ। विनिद्ध র সংগ্রি আক্র **রা**ক্তারা ছিল্ম বাক্সান্ত্রারা স্বপল্ডির ইয়ের ्धः, अस् ना (भाषा काशांत पार्य नकी। वर्षा आणि वा पितारकः । साज्य মন্ত্ৰ বিশ্ব কেইবালিৰ অভিন্য বেশন কথাই জিলান। এই ২০৭। প্ৰতি শ্ৰান্তৰ ৰূপৰ ৰূপে বুলাক গুডিৰ প্ৰতাৰ ১ কিংগ্ৰীত प्राच कराहर में भावसार जातला विद्या करांबार 医腹部骨 医帕拉纳磷酸 改变作物 化测性精发性心障 $ilde{\mathbf{f}}_{i,j}$, লাহায়্যলাল হায়্যে ৰাপলাক্ষে নিৰ্হ্যক সময় $ilde{\mathbf{f}}_{i,j}$ र १ व किन्द्राप्त । जोष विवेदनाचे वाक बन्द श्रीख कक्कि 化对流 有心脏 化自己配合剂 學上 使用品 斯川城縣 海红花 ुल्या भन्नाकिया ४४० अबद् साव (५८) करियान 🚌 ्कले स्टार्टिंग १८ पट १८८५ व १७५ व्याधारी दसमा এলংকের প্রত্যাব বিধ্বাস্থিত তালিকুর সংগ্রাহের िद्धाल प्रकार २००० प्राचा भागता १ ता छ खोजूर पास छ संबंधित अवस्ति विविधा त्याप छत्। यात्रा स्वयं पावण्या प्रदेशक अंगाजारक काविताल क्षेत्राच्छ । मान्यू े बहे राजाणपुष्टव अधारित साध्यक्ष कालोन वाहत सह . मण भाग के किए। पिताया: पुरित (यहे अ किलाएक पान्या लक्षित्रा अन्यत्य का विभाग किया । देश साथ अक्षेत्र 7. ता त्रपञ्चा - एवं न दाणिक मा प्रमाणक एक अराम् का

केशा सैंज व्यक्ति । केरे वर किसार पर्या रहत भरमाभारत मरनाजिमित्वम कहल ভाविद्यम व्य বসাপি দৃষ্ট রলাৎকার করিয়া আমার সভীত্ব ধর্মের ন্ধাভেদ করে তথন ক্রিউপায়ে দূপায় পাইব। এবড় धिहानिए। घरेरा छ।विस्त्रन। दश द्रष्ठभणा धीकार হাতীত আপাড়ত মঙ্গল সভা দয়র। এই রূপ নামা-ित्र हैरहरा। यतु रहेश। खान भरन खाननार्यंत्र शानाः 🐲 করিতে থাকিলেন, অত্য ছঘ বেশি সাপুপুত্র সহচারী গ্ৰসহকারে রম্বতীর মনিংরে ব্রিকর্ম অর্থাৎ প্রবেশ ंहेत्समः, शतुक्क त्रमन्त्रो एदक्रमाध हक्कानम एउनामम করাজ বিপক্ষে কটাক্স দুর্শনে বক্ষ কল্পিত ও পর্যালে 🐠 इंटिकास्टर कर्णे का नुष्ठ इन्छल कूला करिटक निष्ठ हिन दिनों है। कांक्रेख बङ्गेया भगुनीरत त्यीना दल ५८२ व्याननारसञ्ज्ञ काराय প্ৰবাধি সজুবাদ মইলেন। নূপ তন্যায় এবছিল বিলয়া कारा एकियो तर मुर्गार भारत्ये छन्नारधात्र कविस्ताम । स গুলুর কামতা মদাশব্রের বিবাহারতি চাপ্রক্রীর সভি कर दर्शा क समर्थन भएपत अधिक नाम्ख्या एक प्राम्रह्योच चनवक्कान्त्रक कलिमा<mark>साम्त्राशीतामि कलात कून अ</mark>क्क बावन नाषावर मत भव मुक्तरवाह्मत श्रेगाहर, उब्बन्ध हाम्रहती तलका वृहक करजील स्थीन वाति अमारन अस्यु बहेशाइम अह कथ हिलामुला महर्मा गरन सोम द्वहल ্টিলেন। অপিচ ভগুবেশা সাধুসূত রসবতীর স্থলক্ষঃ ড়েও কেলভিঞায়ে উন্নাদ প্রায় উদ্মেশ রহিত কইছা इवाना सम्क कि डेकि कश्चिमहाइत । छाहा विभाषी ाष निरम निवस क्रेल।

भाषा पुरसः विसम्।

विश्वकी। दक्षमर निष्युणि, तिश्र मुख्य उत्पाद की, কৰজাৰ প্ৰাণ ল্পনে , লিংঘ্ৰণ কৰে এক, জন্ত k এল কুলি কেনি কেন্ট্ৰিক পা ১৯কলে। তেন্তু প্ৰতি স ী লে, বে বে প্রতিটি বালে, বালে প্রে চলিব শীলাগ্ৰ সমূহি সংগ্ৰহণ সমূহপুৰ সাৰ্গায় সাৰ্ভ, ১ ত भरता प्रदेश एउटीक, संदूष्त कर करेंद्र संस्था ►रिक्टीयण - इंटर्स्सावि, भवी (प्रांस - खाँकारण दशासीर (🛥 ্পৰ্ভল বং কলি বং পোৱা বংগত । গৈতি ভাগত ত ১৯৯৪ জেলা ভাৰতি হ'লৰও সতু, **মহা**মান কৰি ভালু ्राहर र १६६५ तथा तथा तथा है। साथी दिल अस्तर किस्सा है। रि दिशाल भटावर स्विकार वर्ति रहा छ । अस्य हि কুলালন্ত্ৰিক কলা সংক্ৰান্ত্ৰক কলে। সংক্ৰমান্ত্ৰিক আৰু কলে। তিন্তুৰ কৰ্মান্ত্ৰিক জন্মত্ৰিক বিষয়ে হাজান্ত্ৰিক কৰে। ा स्टब्स अस्ता है हो । हो साम साम अस्ता একল আহাতে তে সংঘাল কি লাভ সংখ্যা হৈছিল। সংখ্যা কৰিছে আৰু জাৰ্ড কৰিছে আৰু জাৰা ·横翔 · 然后或也渐渐为1974年 数 1 (1917) 初起 2 t8 with the second of the second of the second plant of the second of the second of the second of and the man are the properties of the second . चित्रपुर च्या चलाराक किया किया है। इस्तार के दूसरे हैं। उसे साम स्वासी 医环节 具色 医二代尿 医二次 保護工具性 斯伊二城 化合物 HE WILL HAND TO SEE TO A LOTT TO A SEEL A SEEL A

त्रदि मम्भरः, विक्त भूष समित्र छिन्त्य । कति स्थानः, বজাঘাত, ডিফিরে কর নিপাত, বিদাহ আছে। সভা कार्यभागम् । यपि धीटक चाकिमान, प्रहारत प्रति खार राचित्राव क्षत्रक रित्राम । (खामा विस्तृ कार) करन, नागर 🖎 🛪 ८मळ (कारम, रमख द्वारम दार्थक टबर 🕫 🕺 ১৪৭ ইদন এবি, নিয়বে না হয় বাম, ভাষ্ঠ বিনিয়া १७४ भरतः ध्योग भोडेश एकाउ. फलिक ११८४ माड, ৮০ থক্ত কর নিজ করে। তারেনা রাছিলর পর্লের জার্চ তেও নারিং, পাঞ্চ শতে কামিত কাম্যা কিন্দে গোলে প্রাঞ্চ ্তি, সর প্রেণ নতে গলি, নিরাশ্রার নেও লে আশ্রান্ विभि में ते बारे लोका, कामरत के ही उन्हें कुछा दाख াল এফি তার বংগ ধরি বলাভ্যার, করে গাচে দ্রাচার, (। ন ভাচর কেন ভাবি আরু । তার কাল এট ১১. মাটিহ্বায় ভৌহন, ভাবি ৮০ কে চালি ^ব ্বা তথ্য জন সংখ্যাল স্থিত কছত লগে হাত আনি-্কুর অনুষ্ঠা না প্রামা**রত হাজি ভা**র, হি^{ন্তু} বিরীকে कर, करका, प्रार्थ केंद्र किमा**र्क्ड**मा। श्रीव्हा, ए.स. ०० पार्थ, with the time, will are well as the time! ি, সৰ্বতাৰে প্ৰথম্পা, কৰিতি হৈ সাধাৰ্য কে ও ২০৮ নি ই ভিড়ম্ম 🕟 রশিব কি হণ দল্ম, জারেড় 🖣 ত্তাল লক্ষ্য অক্সাথে বহুপোথে শিল্পা পাল, কি ৮০ - এইলাম আড় বতী, এতমে মরতে ফাই মারেও अभिकार भारत करा. उस भित्रम श्राह्मसा, उसले किली প্র । স্বর্থি চতুর্থ কি একাদ্শ, বিলং মূল ক্রান্ট্রম ্ৰ প্ৰাৰ মংগ্ৰাণ বিধি ভট্টিণ লগ দিলে ভাপুৰুলে

 काम्यान अतिथि क्षिक्त अधिवास । प्रश्नान्द्रिक्ति गोर्घाः ু ক্রেয় নর হ পামী, দূরে থাকু অন্য জাভিলাত । খা চব বিসরাজ এই ছেতৃপায়ে লাগ, করিয়াছি মৌনাস্ত্র । আহি করি অভিযান, করি কর অনুধান, হরাক বিভিন্ন ্বিচুচ্ন 🔻 কোথ: আজুপ্রিস্থেন, রতি লাবে অতি প্রিল ভাবি কাম করিব শতিলা: এবে ফেরি ব্রাগে বা अधिक विवासना नृष्टि, अदक स्थान (१८) १७४० छन ▶া গ্রাব সংক্রগায়ে, সংগ্রাই ভার নিজে, অভিনিব ্রানার্যা নেটার : কিন্তু ৬০৯ জোকে ফলে, ১৭০র : भागा कर , विश्वस्तर कार्या भारतत्व । एक १०० प्रयोग करहा, किर्देश का का वार्ष कार्य करता कि है। कि देश का का प्रयोग करता গুল্লা ক্রিনে খুরুর্বানে, শ্রাহ্রাল দিন স্থান, ১০ हुत्ति चत्रुभिनो रक्षा। याने स्व स्व करी क्षा, अवस्ता । त्रभीको, तमिर तम इर्गार करता। १८०८ वर्ग मा की १००%, artin miligia wanten, a sala Ismia nabalika di Lari त्मरत रम्भि। मुख्य शारम्य एडं, १क्ट कि ।त अरं. ्लेक सारक रहल्याः, १७४० खादाय विद्रम् विकास, १५ ५ । ু ব্যৱসূত্র শর্র, সংখ্যার কারেই, ক'চন শক্ষেত্র এই করি त्रथम् ना ध्रांचात्रातः सर्व्यक्तिकाल प्रतान्त्र ना स्थीत देशाला विशेषत আসন বনয়। আসাহুর পরি প্রতি, প্রকাশিন: 🗟য क.रि. मधा माहन कत स्टान्श । दिस्तर भागा । भारत, भारतक विश्व माणि होत्रकार सन्। जाद विजन 🚺 थे प्रतिदेश कार्य, ५ व अति गाँउ प्राप्त वा स्थिति । कारक २ वि.स. १ वि.स. १०वि.स. १८ वि.स. १४ वि.स. १५ वि.स.

हरक, शक्ष्य शाहर विम्मिनी। त्य (अम द्रशिक, यरः) क बाबितव प्रमा कारन, शाम विदाय পতि मधादिनी 🕍 এই কল ধানু পুত্র, প্রকাশে ছলের সূত্র, স্থমি সভা যোড় করে কর। দ্বারা পরিমুহ হলে, আর গৃহ নাহি চলে, ডাই যে কেনার মহাশয়।। বিজ্ঞাদিব এই বাণী अनं कृदर छन्यनि, जङ्गा कितिर्द्धारकाम कर्या। महर्रमंत् भार लाए. भारत व्यालाम ब्याली, बार गया महमात थया । क उद्भव महमार, गर्क कर्ष छशुभार, क्दर विश्वादिल प्रम কি জার কাহর বিধি, ভূমিতো বিশার নিধি, সহিদাদ্ধ क्षा दिहमाना। उव कुला क्षेत्र वान, दर्काषीय दक बाह्ह ভাগে, বলং ও বিধুবদ্ধ । কি **আর বলিব (আমি**, তেভ ४ % जुलना जुमि, शकानीक शकाति कर्मन ।। ८५% কৰি কাৰ্লাদ, বেশ্যা হল্পে পাৰ নাশ, হয়ে ছিল বাছ हिश कर 🔻 ता कना इन हुनेमा, ८न य इनमार अपन কেনা এন কারে।। প**ভিতের যে লক্ষণ, দুলক্ষণ বিল-**শ্বনে দেশপে। গোলতে পুকালে। ভূনি ভাতি ভূরে ধীর-**छत** कुला जरश नीत, पैशकू दमरण श्रास्त्रित वाडाटम ॥ श्राप्ति নীরে চত্র প. দেন যদি চত্য্পি, তবে রাই তব হব · छ।। एवं कुष ७८० मृत्यं, ७ शांशिमी तकाम भूत्य वर्गमः জরিতের কা। হয়।। কে পারে বলিংড কাল, ভোমার গ্রার অন, গুলিন্দ মধ্যে রণ্**লিন্ড।** এত শত নার্যার্যনে, তন এনে প্রতি দানে, অনার্ত হয় ইচ্ছানিবৃত।। দেখেছে ि नवान थे, कृषि एति इत्शिक्ति, अम्बाले शृह्माह करा-পाक। इत १९१४) नक्ष व्यक्ति, अक्षर श्रास्क श्रासी खारी वाच प्रशिव कालावकी । तिरांक खावधि मध মম মন্দে লাভি সেখা, নাখ হে অদ। কি সপভাত। পক

গুলাজিত কত, ছিল পূণা শত শত, সেই/জনী মিলন দেবাত। এনে অভাবের ভাব, বামনের এক পাত, जी उत्कार पूर्व हे घरने । कि मनश मन्तिन , खाल मा अरव धानम, निवानम श्रम छान तम।। षाखाद ताणिवाइ ন্তান, আরুনা থাকিত প্রাণ, কেনা হে বিধি দিলে দানা। নাহি হৈত খতু যদি, তামা প্রতি প্রতি বাদী, त्रात है एक स्मानाय स्माहाना ।। स्वान मानु अहे नाकः জার নাছি ফেনারে বাকা, ন্তর্ভ হয়ে ভাবে মনেই। জনতে ायामः गांत्री, कथात्र जुलाएउ गाति, वीष्ठ वार्धः काविद । इस्राम । वज्राम हिटतुन श्रोत, क्लाद्ध (यन क्लीस्पाद, ্রনার নালিতে যায় তই। কে ধরে এ খর গারে, নির্ভি 19 भारतन, कि भारतर अध्य शांत महे।। किय अधि ्र तथा, तमनी कछि नतना, हुल्लाउ समाधि याप १८७१ । १९७८३ भड़रालिन, पार्टेब्य अमिक सम, १५% এলিখন খুন এতাবোল । অভএব কোন মতে, পারি নাহি मनाइर्ड. ७३७ ६ भृतित खाखिलास । सद्द अतिभूम यात्र, আসালাত হৈল লার, আশার মইল উদ্বাস ৷৷ শাজেতে ाष्ट्र १८ ६, भ्योरमा प्रकार्या मिक्क रेन्स्यिर धार्ति किहा শাবিত্য কোন কাতিক পাওন, সাম্ন কাবিৰে সালন- গেটি ভা কেন্<u>যার ভারি ।</u>

গ্রার । নাপু তলে প্রানুষী পুরাই ভোষাবে।
কৈ কি গানের মহা রতী দান করে ।। নিতাপ ক্তার্ক
বল দ্বাহ নদ্য করু সুনি আবে প্রাণ রহে বিজ্ঞান্ত বিশ্বে দ্বাহ নদ্য করু সুনি আবে প্রাণ রহে বিজ্ঞান্ত বিশ্বিদ্যান্তি আমা প্রতি যোগরীজি। প্রেকাশ গাহা-বিভাগ বলো রুগ্রাজী। আন্তরে অন্তর মুলে বল ভাগ্ন বিয়া ভাব রাখা ভাব কোথা শিক্ষেচ অপ্রসাচ সাগ্রা

দীটা রমণীর গতি মতি পাঁড গ্লিপতি বাফ। হাঞ্চন কি ভাছার শক্তি । প্রতি আনাধিকা সভী পতি পরায়নী। পতি সুৰৌ সুখী পতি দুঃখেতে দুঃখিনী ৷৷ পতি ইছেয়ে ইচ্ছারতী পতি আশে আশা। পতি বানে সভার বা কি धारक छत्रमा । अटअम विस्तामिनी वृत्यक्ति अथना আছে বুৰে কেছ ভব মনোন্ত ধন।। ভাঁৱে বুরি ইপি আছ ধনপ্রাণ মন। নছে কেন আমা প্রতি এত বিভয়ন 🕡 हिहि थान कांत्र थान यादा मान मिटन। या स्थापात ध्या क छ। त कि क तिदल ।। अहे कथा अछ भाग तम्बर्ध কয়। স্বামী অনুগত। আমি জেন মহাশ্রা। নানা রঞ্জ न्यान छोट्टै कत नाना हुन। अवना गतना आमि छोट কুলবালা।। শঠতা ব্ঝিতে নারি অল বুজি নারী। পাত ভিন্ত অন্য জনে নৈতে নাইে ছেরি ৷৷ পতি মুম গুলু জ্ঞান পতি কুলমান। পতি পাদ পত্নে আমি মঁপিড়া ह প্রাণ । পতি পরায়ণী ঘই পতিব্রতে মতি। ভাই লোকে <- हिंदा अधिवास मार्थित । अहे राक शाम मार्थित-রশি ক্যা, গলে কুলটোর ভাব বোঝা ভার ২য়।। পাত হতাকাতা গ্ৰিপভিত্ৰতা কিলে। মুখেতে অমৃত তব্ कांप पूर्व दिएस ।। बदनायक करन सम कटहरू अभव । कुकल कुर में जान किया खारताकन ।।

त्रमत्छं त्र मामाइमा ।

গদা। নাপু সুডের প্রভারণা প্রস্তাব শুবরাক্তে জুপাল ল ওনরা ভাবিজ্ঞান যে এই ছলগুছিরে ওমুল চল ভঙ্গটি সমূল কামত বিনাশ না করাতে উহার কল কৌশলে আমার কুশল লভা সকল নিকল ছইতেছে। যেছেভূক আমি বিশেষ কপে এই প্রভারতের প্রভারণা অনুক ছইলাম কিন্তু এই ধন্ধক ইছাই জানেন ধ্রতামি রাজন নাজাকে অবসা পাইটো ছলে হলে কলে কৌশলে উভ্য চাত্রী করিশভাতি ধায়ন থেমন সজার রা স্বার্তির সূত করিয়া লোচনে কর্মিয় আজ্ঞাদল প্রাক্ত কোন বি বরে অব্যাহ্ন গতে হিন্ত প্রবেশ করিয়া প্রজ্ম লাগে লাক। ত্রেপে এই সাধু পুজা অভ্যক ইহার চাড়েয়া বিনাশ করাই জানোর উচিত।

হ্রমবর্ভার উভর।

জিপদী। কছে সভী রসবর্তা, শুন্ছে যুবতী পানি, গদুকের বাধ। বউ তুমি। ছকানা করিতে নিজ, কর হল প্রাধিন, নারী বুরে কি ব্যাক্ষর আমি। বান্যার ধর উলি, বর্রার জনহে খুলি, পাতি আজা করে অনিজত। বন্তার এই কি পাতির কর্ম জিলু মুম্মিনগার বিধা জা। গেছ করে তার্থা ধর্মা, তার বিজে এই ধ্যা, জ্রান্থানি মুম্মিনগার ক্যা, পুন্ত ক্যান্তার ধর্মা, বুরা রেখাকে বহা ধর্মা, ক্রান্তার রূখ মুর্মা, ক্রান্তার বিজে বহা ধর্মা, ক্রান্তার রূখ মুর্মা, ক্রান্তার বিজে বহা ধর্মা, ক্রান্তার রূখ মুর্মা, ক্রান্তার বহা ধর্মা, ক্রান্তার রূখ মুর্মা, ক্রান্তার স্থা, ক্রান্তার বিজ্ঞান, ক্রান্তার ক্রান্তার ক্রান্তার প্রান্তার ক্রান্তার ক্রান্তা

রশবভারে বাকে) দাধু গুটভার আশচ্চ) আন ভানিধা ৷৷

গদা।। ভগু নেশা এই কভিপ্য প্রশ্নের সদ্ধ প্রাপ্ত নাত্রেই আতান্তিক চাঞ্চলা দনা ছইয়া ভাগিলেন যে রস্বতী যদ্ধপ প্রত্যুত্তর প্রদান করিডেন্ডে ইথাতে আনে-ক সন্ধিন্ত উপস্থিত ছইল বুলি হিল্তে বিপরীতই ঘটিল। কি জানি বুঝি আমার শইতা রত্ত্ব রস্বতার শইতা ৮টি

প্রস্তর্প্রীক্ষ্র দার। সমাক্ শহুডা রস্বভীর গোচর ष्ट्रेगाष्ट्र नरहर स्थामा अलि तमन्ही अलाकृत भूजानत পুদ্ধের করিত না যাহ্উক ইছা বিশেষ কলে আয়ার জান। আবশ্যক, এববিধা,ভাবনা প্রমৃক্ত সাধুপুত ভূপাক ললার প্রতি প্রং কহিছেছে।

উভায়র উত্তর প্রপূত্রের ।।

শান পত্রের পুশু ও রশবড়ীর উত্তর।

পু। মনঃগত পুরু কেবাহে ওব।

छ। (४४न) ভातिए आधि के क्द,॥

পু। আপুনি, জানিলে কে কছে,কারে।

উ৷ জেনে না জ্লানিলে কে পারে ভারে 🖰

ुषामि कि धामान गड़ते। कृति।

কেম্পে জানিব অবলা নারী।৷

था। अनुखारत इति वृद्ध मध्यमा। . .

উ। ভোড়ে পুঞ্জ আমি জানি না।।...

भू।, श्रामि कि श्रानि (श्राष्टिय हुए।

ছি। তানা হৈলে হড়। গমন হয়।।

शुः क्षां जियं वीयन कि रहा न। जाना ।

েট। পাতি সীলৈ আর কার ভরসা।।

প্র। আমি কি ভোমার দ্বপতি নয়।

अः ग्रम् तस्त्रभा कात कि इस्सा

পু। গুড়ু ছৈল বলে প্তি কি পুর।

ছ । প্রের বেছে জানা সে ভদন্তর ।।

भः। द्वारत कानित्व छाई कान्ति । दे। डोर्थचाता कथा लक्ष

বে কেবল ভবে ছলনা ছব

गण्यप्रतामकुष

Œ I	खान। देकदल कुल किरम हासिन।।
1	ভবেট্রকেন আছেন দিলে জাপা।।
¥ ,	কি আশার আশে ছৈল বিশাদ !৷
Ti I	सभी खादा ज़्नि कनिद्य कथा।
₹ 1	মধ্যাং ভার বর্জন, রাখা ।।
·"	তবেত বঞ্চনা জান কাপদী।
91	८म द्वारव कागांद्र मा कव दशांनी।।
	যাহক ভূমিলে। চভুরা বট
· 1	ওুমি কি চাতুরী ভাষন। শ্রু । ,
e7 1	জানিলে কি ওব থাকিও কুল।
Ė	कुल है। विरम (४) रक ছाড्ड क्ल ॥
4:	ত্রপাৎকারে যদি করি শৃ ন্ধার ।
**** {	ৰপতি পারেন্না তৃমি কি ছার 🖟
en .	भनः वात्रभागा भारम विद्रिणः
.	্ষিত্র কিবা বলে হরণ।
45°, (ভাষা হলে কিসে পাইব রুসঃ
	েন্ডি) রুল বিনে হয় কিট্রেল 🖯
-4	श्रात अथन धर्मी कार्यर्।
ž.,	এক হ'তে কছু কি তালি পাঙ্গে।।
e. 	দুল ভ∤তে ন্হে বাজাও গ্নী ।
Ť	रिकटक (किकटेडि (म श्वनश्रित ।।
551	क्टिशिंद्र ना विदन दश्खन।
	मङ्ख्यात् कर्मा त्यसम् ॥
54 1	मठेष भट्या कि माउया नाहे।
	পাৰ্য জেন্দে ভাছ। ১ হেছে ভাই।।
54.	আমিত মুপ্ৰত ব্যটকো গ্ৰা

के। कि हिन्न खादांत उन्हें से विने भू। चात्र इंटब्रिए छो**डिसिंग** गाना। डि. शकार्था मांश्रदन दक **श्रीरक् मान**ा पु: (यक्षा कहितने खनाणा नेप्रा · छ। अन्या कथान कि लाजा प्रा প्। शहक जुनितिना नागामा नग्न 🔧 छ। डिविकिनाबाना (श्रुतमेश्रेत्र) ल्। दक्त धर्मी खोद्र मिर्देख्य लोख। छ। भदित्यत जंड्या कि इनताया। প। আনি যে দরিত্র জেনেই পাব। छ । जाउकात हात शहर छान ।। भू। कन्नस्ते **हिटाउ स्टा**रिशि कि। छ। अधित बालका कतिए थाकि ।। পু। তাঁর আজা হিনে ছবে না পুলি। উ: পরধন পরে কেক্টর দান। প্র পর ধনে ধনী তুমি কি তিনি : ভিনি ওনপতি আনি যক্ষিত 重! প্ৰ ভৱে কে বুৱাৰে মুমাভিনাৰী है। इन्दर्भ कि आमना महित्यत स्थान । था। रन दार्थि उद्याउनि मुन्द्रो अन्य अक्ट विर्विषम करि । दमत्त्रीतं कि कि

८ माक ।। केथाय खिने लीड एक माउ में निर्मार महमात्रक्षा वाला देवधवा मक्षानार कूज जी नारे कूछ दिव ।। - अर्च ।। महिए पतंत्रको जाना शृतिमाणि स्ता। महन

कार्य भूताशिक्त

আশা মনেং নিলাইয়া রয়।। তুল্য তার বালিকার ইব্যন্ত্রি দশায়। আপনি উঠিয়া যান আপনি নিলায়।

ন্দেত্র এই শশা দ্বিজেন স্থীতি। কেন্দ্র প্রাই আশা কামি দার্গিতী। সাপ প্রদার উল্লি।

विश्व श्रुप्त । पिनिस्ता, श्राष्ट्र करा, व्याप विद्या खाडा। प्रिकार प्राच । प्रिकार प्राच । प्रिकार प्राच । प्रिकार प्राच । द्राच प्राच । द्राच । प्राच । प्राच होतर प्राच । प्राच । प्राच होतर प्राच । प्राच

ভূপৰ ভনংবি ও নংখু ভনংখুর **উ**ত্তর পুঞ্চত্ত 🔻

াতি প্রার্থ মন বিচেনে কি স্থাং ইতি বিলো দি বিচ্ছাল বিমুখা। ভাল দীলা করা দানং । মন্ত্রি কিন্তু কিলা দেব বিচ্ছাল, জালা। তব দ্বাক পুলি শলা । নাল পাছা পাছায়েছে বিচ্ছাল দানা। ভূমি ইন্ত্রে নুহাই । নাল কোনো লাই জি কৰে আমা পুতি । একি বিলামন মুবং। মনো পুতি উপপাতি ছয় কি সমুবণ। ভ্যা কো অন্যানিত । প্রস্থায়ে কর আশা একি বিপরীক। একি পুরুষের কর্মং। পাচিত্রে নালিকে ইছ্যা স্থানীর না । পাছার দেখা বিদ্যালানং। পরার্থী করিবে জনানী

नके कार्यो भिन्न धरम - दलाके वर्टर िर्जिक्टिव संक পুৰ্ণি আপনার মত। ভানং হে সুজনহ'। সেইভ: পুং খাঁত এক **জানে স**র্বা। তবে সাধুর মদ্দনই। **বালে** প্রন ायूची काँब्र निष्यम्य ॥ श्रीत आंची धर्म शाविश करा छै প্যাতে পর বল বিম্নাদিনী ।। সৈঞ্জি প্রদার হরে: क्षमांत्रा भवार्षे चाद दमर्थ चरन करता। तकन हाथ ए टबापरे। श्रञ्जी भाग तिकाद्व द' देक करन निरुष्त्र । मार्ग ৰ্মৰ অণ্ৰাধাং। অনুমতি হয় হাদি নিজ ভাষ্ঠ যাতি রসমর্যা রস ভবেং িকৃথা ক্রটাকেতে ছৈর পাষিও 😁 नंदर्भा दिन्य दिवृद्धः भीडिखरः देवन कार्य केंद्र आ बिरंड विभवें छ। उव बिनांव (कमनरः। उपन । शांकित তকন প্ৰায়ী বদৰ'। ভিলেপাইতেটি সাজ্বী। ভগ্ থাকিতে ধেনপাবুরিরি েজা॥ ধেব। শইন আঁশুরং उद्धार मितामुझं कहा हि है ना इस ।। मिने ठाई है दिन वाहरे । बुक्त का जिक्क का हाला शांत्र बुक्क । शांत्रे ।। विद পাইৰ নিয়ারঃ : বাজাঃ দ্থিত: হয়ে এত অবিনার **এই প্রত্যক্তর**ান্তনিং । বিনয় বছনে তবে তাতে বিনোদি नः ॥ **भग ख**निहात नर्हे । खनिहात मा १८५ % 🗵 भाग घटि । १८ए बाजात स्थिमोर । ऋदि पात रुष्टि वट eco garfa । ब्रांक दिश्त अक्रांश भागेत्व कार মন্ট শিটেটরে পালন। দিতে ভদ্মতেরে দশ্ব। মিন্বরে ত্ষিরে আর ভারি মুখ্ত গগু।। মন দে বিভার কোথাই ভাছলে কি উব ফল্পে থাকিত ১৮১৭ছ ।। সাধ এই विका खरनर । दिनवर्षी अधि करण विजय वरणन । क्रिय केंद्रि निध्यम्तरः लक्षात् रमछी छिल नायः मणानमः। विदारगर्वे मीठा मिल्हे । क्रक तुम्बीत कहा लग जुन

नवाय नूपापानू ।

দিশা। এবং স্ববংশে বিনাশং। আর কিছু বলি ভান বিয়া পুকাশ। এক রমণীর আশেং। দৈওা কুল রালালি হৈল অনায়াসে।। একটা মুঞ্জ কিবা ছারং। লুজা শু ছলে পদে শিলাম এতামার।। যাব পারিকেতে কিং: ভার কি মরণে ভয় হয় রশবভী।। যদি মৃত্যু ভয় হতং। ভবে কি এ অনুগত ছেতায় আদিত।। পুনং জন বনোদিনাং। কহি কিছু মহতের শংগ্রা কাহিনি।। তলে বাত করে গুলিং। তলাত চণ্ডাল গুছে জ্যোহলার প্রবাধ বিলোগ করে গুলিং। তলাত চণ্ডাল গুছে জ্যোহলার প্রবাধ বিলোগ করে গুলিং। এই মহতের নীতিং। অভালার মানা ইছে। কর রশবভী।।

রনহতার উক্তি।

লাগিব। পতা বলে বাটে এই মহতের বাতি। আশ্র বলান করে মক্ষরী প্রতি। কিন্তু দেখা নিতি নাজে বিবি চম এবার। ভুজক পোষিলে হয় আগন সংহার। কাবনে কউক বৃক্ষ করিলে রোপিত। সর্ববন হয় ভার এটকে নেটিত।। নীচ সংসর্গে উত্তীয় নীচম্বুকে পার। ইত্তমের উপমতা থাকা ভায় দায়॥ পীযুর কৃত্তে গোঁটুর কোলা মার দিলে। মাই হয় পয়ো ঘট সাজে হেন বলো। কোলা মার দিলে। মাই হয় প্রেটাক অমৃত পান মারণ নিক্ষয়। ভজ্জপ প্রকার হয় দুইট সহ বানে। অস্থ ভরী গর্ভাবি আপনারে নালে।। অভ্যাব দুটে কভু নাহি দিবে স্থল। ভুজক গইতে দুইট যাথ্টা প্রবিল। তার্থি মান্ত্রেতে বল হয় সর্পাচয়। দুট্টেরে করিছে সম্বাহি শক্তা হয়। ভাই ভরাই ভোষায় গঁপিতে আশ্র। উপা-শতি প্রতি প্রতি গতী ধর্ম নয়। গাতি প্রাণ্টিবন নারী

हरू है ब्रावकीं। जाइनक क्सन की कि एहा जमा अर् যার৷ দেখে পূর্বশাল প্রভাষ উদর্গভারা কি তা ক্ষ্যোতি ভারাতে তের্য । উচ্চের ব্যাহ্যাভ: সম্প্র ক্ষা ও ব্রয়া। ভারেদর কি কন্ধুওছে লাগা বোগাছয় গার্ষ রদগ**তির** প্রাদে সঁপিয়াছে রভি । বৃতি আছে ভাঁছা নাৰি: লগ মড়ি।। ভান তন ভাতে যদি শালি থাসি প প্রাপি স্তাতে নাহি পতিব্রতা ছাত্তে । পঞ্জি এই পর্যাপর বিষ্টি। তাহে প্রক্রিয়াদ কেন হ'ব নিষি । কেন মিন্ত শূল, সম , নিন্দিত বুর চন্। বাং আনা প্রতি করিছ ক্ষেপ্র । দেবাদি, গরুর্বি যুক্ত আর নরে। কেছ সুখী নছে এছে উপপত্তি করে।। ব স্থানে নানা দ্বা **হচ্চেই শ্রার। শ্রি**দ্যান জান স্ব কালার আর ।। উচিত না হয় বলা দেবের চরিত্র। ন র্চারত ক্রিছ শ্রম কার প্রত্র 🖂 যেই মার্ক্তা পরিছরি ভা নার পতি। অন্যাপালে অনারাহনু মুপে, দের র हिन्त्र हिन्द्र न्य इत्कारम् **करत्र , छना। क्रि**नी हिन्द्र न अस्त्र हिन् किंदी इस जिलातिभी के कार यक केशन दि करत भार र्वकिमार्कि भाग कान मुख्य हरा अक्र । उद्यक्त अन ণ্ড গৰ্ড কর দান। তেও প্রজুলিও কয় বাকের মির্ক! এইত তে কুদাটাক্রাঞ্চমান্তম্বাদ (দুড়ে) কচন্দ্র লিহের্ল কিলাসারস্থালেল কুড়ীয়াকস্থায় ক্ষ্যা প্রায়ের কোন। ব ছিলা মাধ্যবারে **উলে দাবা দেশ** ।।; ১৫ বঁ, ১৯০ বু ं कुन्द्रीय यक्की। ६० मा ११६

> বনবাধী গৰা চাৰে কান্য ক্রিয়াশকছি ভেচ্ছেন লাপুস্ত শুরুণ ক্রা

্ঞাই সকল কুলটে। জীগদণক পেৰস্কর শেষজনক এই

गञ्च नुवालकू ।

हेशा आहे काम से के किश्वा करतेंगे। देश कारा साथि। कि ক্রুম করিয়াছি।পূর্বে উত্তর কাশ-না বিকেচনা কলিয়া नोरमाहरकारत खळामखा अयुक्त खानन हिंद अकारन ্জুলিত পাদকে পতিভ ছইতে চইল ্ হায়ণ কামি ত পাশিনী কেন বকরে বিষ গারে পরিয়া ক'লকুট লাল . े वियास: यानि आंशकाहसुव अम आहस सद्भाव १९ াকিতাম তবে **উহিত্তে এ মেদালিকেব ন**্দুৰ ভাগা দেশ্বলৈর কোন উদ্বেপ কাকিও না। হাছটক বেল গাও ালের হবনী এডাদৃশ ভাষ বশতং যৌষন মদে মড্ডা প্রাক্ত প্রিনার্থের **অপ্রি**ষ্টা নাহয়। এবং ভার 🗇 अस्तर्भ हे एउम ध्वकृत्व कृत में शिर्क श्राहिए हैं है की ভা শীলে ভ্যান্তের অনুশীলণ ইচ্ছিতা ও নানকে গণ্ খ , भीट किसारन निर्धालिका छ कांग अभीटण सकान ্ৰেবনে জম্বেটিত। ও মনগতে বৃদ্ধিচ্)ত বৰণে আ-্জনীত ও শঙ্কাকে বিষ্কৃতন কান্দ্রিতা ইত্যাদি নিচয়াং अवस्ति। ब्रह्म । कांत्रव भारे समूब , किया खेलाला हर ণার কামক দেখিতেছি এব যিধ ভাকন আযুক্ত উভা বৈ । ঠানবেশ্ব। ডিক্কা পারে অর্থানে টুকান করে। করিয়া ভি গঙ্গ নান।দেশ ভ্ৰমণ করিয়া থাকেন। ডাছাতে পুনি নি. ाणि ज्यालाह भाषात्व भकाल है ने देवकवीनवाद का हाटः দ্বিতে পাইলে প্রশ্নর কছেন। যে এছে ভাই এই বেশ্বর্যা বেটী সর্থ **কালে** বড় ব্রপণ্ড ছি**ল।দে**খ যে, মুশ্বর ভাষাতে আহু হাসিতে মাগর কুল নাশিতে তাকৈ 🕬 খে িই এক্তৰে দেই মূথে জয়ং হরি চাউ/ থেতে পাইলো া, একগা কি লক্ষার কথা শ্রনিতে গাট। বাছা ৫.৬ শমুখে দেবে রম্বে হালি লাখিতে পারি মা, বায় ি

(बार्क्स) श्रद्धत अङ्गे रेरमध्ये (य क्रक्कंट्र महक्क क्राक्क भागत व्यानः स्थानाशास्त्र विद्वारक विक्रीन क्रिका अ त्महें इंटक्कर शहक शहकत . तमार्ट्य क्लाहिन का बीट ह লোল পুৰা **ভাইল**াংপি চ**টিতে চন্দ্ৰ**য় পারসূগ হইয়া राप्तर हमहो रहेल ए। इ कि बहे असाह मराहे का नात्र क्ट्र जोहें दह दवज़ित्क (बर्धा अध्य छश्च करत । व्यक्ट नीएक यशार्थ विमाशक (ब्रह्म-अविमे शिर्दर) अन्नेक्स ए নের ন্যায় সাড়িচদছে কুরি ডাইনের রপ্তা**র্কর** কানেত देकर तरक कुछ का क्कन दह उथन के रेक्सकीय ुक्छे। বিষ্কের নায় শোভিত মানা থাকার: প্রেমিক্ররের 🐔 পতঙ্গ পাবেজ্যি জন্মরত রত থাকিও একবে সেই म् श्रीकारव तम् एएत् व्याप्तव भागी व्यक्ति। कर्मकारका उ क्षांत्र गाउ नर्काक्षण **लाक्षण**्य **स्ट्राउटा**स् । ८मास् जटानाः त्राट ৃদ্ধাবস্থার সভাবই আইন আবার কেছ কছে হায়ং। रेतक्षरोत् अस्माध्य क्ष्यंय हारकात् याका स्टेशः जार वृक्ष त्थिमिक ध्यक्तानरभन्न क्य मित्रदारे गृहण क्रिए धा ে দেই প্রয়ালর করাভাতে রাজ্যতের কর্মে মণানিং **হই**হা **লগুণীরে চলা চলিকা পভর আ**য় হইয়া রাগভ -लालात करनेत माणि निष्टेश है कितिएडए होगर कि वर्षम . यह करू नक्तू हर छेथन अहे हेरकानीत शाहाब हा क्षेत्र्यरम नागरनान देगाहिनी कारन मुधा कारम लाए শৰ্কদাই অফিড একণে লক্ষ্য মক্তিকায় কি আকাজ্য এই পাছ্।প্রজন্ন করিতেছে ভাছা বিশেষ জনে ক দেবি। ইহা পুরণমাত্র কেহ কছিতেছে যে জীলোক্ট গ্লের নাজিকুগা সলিগে যে কামকূপ আছে ব্ৰসাগরে সমৈত ভাতার দানি অর্থাৎ ছোল আছে যেতেত্ক পুর

मछी कु मधानिकु ।

अग्रज अभागिकाम वर्षगार्शक दिल्लानम रहेश। कामिनीव লামভূপে বেগবতী ছইয়া থাকে ৷ ভক্ষম্য কামকুণে ুৱৰবারি প্রদর্শন হয় । ইহাংকি নিজিত কি জাগুত যথ-क्षणां जीवरणता भूक्रस्वतः क्षेत्रानिहन गरमर हिंखा करि-বেন ডৎক্ৰণাৎ আপিনায়ং কামকুপের ন্বারি দৃষ্টি করি-তে পারিবেক ইছা দর্জজন জানিত বটে কিন্তু প্রুচের শ্রেমালিফন বাড়ীত কলাচ ইইতে পারে না অভ্রেন এই ्रैतकर्वात शृक्ष्य ध्याणिक्रम विद्योग्न तममानासत् काला প্রভাবে কামৰূপ পক্ষেত্তে প্রতি ছইয়া বৃদ্ধি সেই পক্তে পারিলভর পেঁড়ো " ছইয়াছিল কিন্তু ঐ রস্গান্তর দারির রাজায়াত্র যাতীরেকে উক্ত পাল নমহাও পিটাভের এগড়েটী প্রচিয়া কিঞ্ছিত শুদ্ধ হইয়। চিন্সা এল নিগত হইতেতে ওজনা উজ মফিকারা ঐ চিম্পা গলে আন टम क्रांगर लाग्ने जाग्र सद्य लाहा अक्र्य क्रिडिंग्ड । এই বার্ডা **শুন্ত মাত্র দকলে হাহ। হী**ছী ছত বরে ১৮% আসি, ছইয়া কে কাছার অকে°চলিয়া পড়ে ভাছার দীমা নাই। শ্বত্তবে ছে সাধু পুষ কুলটা জীগণের সকলে বস্বাই দ্যোৱন প্রাপ্ত হয়। ইহাতে কলটা প্রাপ্তের আদান্ত মধা বিশেষ বংশে আদি জাভ থাকিছা কি **अकारत एक अर्थ गामिनी इन्डेट्ड भाति जनरे** मंभान সরিবেচক ছইয়া যে অসজ্জুক্তি পুনঃ২ উজি এর এ কেবল আপনার বৃদ্ধির গর্ক থকা ও গৌরতের ফৌর্টা শুনা করিতেত দেখতে পণ্ডিতগণের এমণু কি আছে যে কুলট। औषात्र शिष्ठ गोरे।

८भेरड़ा अर्थाद क्षत्रकारो नत्तर मून ।

পতি প্রনিষ্ঠ প্রতি ছন্তা পাতি বিশাণ কাতিলা।
গানারী নরকং প্রত্তেও প্রবেশন্তি দানিবিগম্যা
গ্রহণ পাতির প্রাণ্ডি বিশাশ করে নারা নারণ।
কোনারী নরকং প্রত্তেও প্রবেশনার কারা নারণ।
কোনারি করে প্রত্তেও প্রত্তেও কার্না ছলার কারা ক্রানার
ক্রিপ্ত প্রত্তেও কার্না ছলার ক্রানার
ক্রিপ্ত পাত্রর প্রত্তেও কার্না ছলার ক্রানার
ক্রিপ্ত পাত্রর প্রত্তেও কার্না ছলার ক্রানার ক্রানার
ক্রিপ্ত পাত্রর ক্রিপ্ত ক্রিপ্ত ক্রানার ক্রানার ক্রানার বাদ
ক্রিপ্ত বাবে প্রতির ক্রেপ্ত ক্রিপ্ত ক্রিপ্ত ক্রানার ক্রানার ক্রানার ক্রিপ্ত ক্রিপ্ত ক্রিপ্ত ক্রানার বাবে ক্রিপ্ত ক

গদা । জিউএই কুলিনি বিশ্বের নির্দানিত। অনপত
থিকিয়া কি আখালে বিশাস ক্ষরিতে লারি। এবং ভারও
কিছু নিবেশন শ্রম নির্দানি ক্ষরিয়া কুলাগ্রমার মন্তে লারি
ক্রমান পতি প্রীক্ত শান্তি ক্ষরিয়া কুলাগ্রমার মন্তে পরি
ক্রমান পতি প্রীক্ত শান্তি ক্ষরিয়া কুলাগ্রমার মন্তে পরি
ক্রমান পতি উত্তরা থিকা পতি সেবার সর্বাধ্যমান ভিনান্ত
থাকে। তথা বিশ্বিক পর্বাধানি কুলাটা গ্রামের উপপতির পদি বিশ্বিত্বি অন্বর্ধন্ত বভা থাকিতে হয়। এবং
পতী গ্রেণ্ড পতি প্রাধানী কুলাটা গ্রমান বিশ্বের
পতী গ্রেণ্ড পতি প্রাধানী কুলাটা গ্রমান বিশ্বাধ্যমান পতি ক্রমান ক্রমান প্রতিক্রমান ক্রমান প্রতিক্রমান ক্রমান প্রতিক্রমান ক্রমান ক্রমান প্রতিক্রমান ক্রমান ক্রমান

^{*} পাজিৰ সভাৰ অধাৎ আন্তৰ্গৰ সভাৰ ধৰ্ম রাখাই পাতির সভাৰ রক্ষা করা ছইয়াছে।

क्रमावित लाक्ष्मा बर्खना उद्देशना देशशीर्छ उत्तर आह - ইতে হয়। এবং কুল্বভীতে যদ্ৰপ পতির মনরশ্বন ्रिक्षंग करती। एकाल कुने होरके वे छला छित्र संबद्ध-ेवा इडेटेंड इये। अवर मानी मडीनंदन दय व्यकात मन-ंडर प्रोमो**ष्ट्र** करमें क्षेत्रक रहेत्रन। दम क्षेत्रत राम ही েকেও উপপতির দাণীত্ব কর্মে নিয়ত নিযুদ্ধ হুটতে रहा। खार्व दर मधानेह य**माश्रि नोनीच न**नाई श्रृष्ठिलनी াধে কেন জনগাঁক টাকুরের জাগো ফুর্নের ভোগ দে ২৫১ র দিং হৈছে সিংহাদমে শ্<mark>রালকৈ স্থাপিত ও</mark> ফবির আর্থ হীলতাকে অপিনি ও লকড়েয় স্থা কাকেরে সমান্ত্র রক্তমুক্ত অঞ্চ। শীয়ে বাঁচিত ও পায়য়নে মুভকতে নির্বা-া ৬ ইন: করণে কি—ে কিয়া যদি বল কুলাগালালঃ ত্রণাতি পদ্দেষার পরিবর্জ হয় তবে কি সভীগণে পতি সংগ্র বিনিময় পামনা অর্থাৎ অবশাই পান। এটি ভে যে সভীয় <mark>পতি বিলাশ হইলে আর পতি</mark> জওনের য়ুক মাত্র এবং বিধর। ষদ্ধণ পেও**ঁপায় জা**বত স্ভুট रात है। यमानि भ**न्दितः मृत्यंत्राच्य रह** के खलनादास ১শস্। ত, বি করেন ও দৃষ্ট গণের স্বাতি আগ্রেছ্য তথাক। ।গ্ৰী মভাগণেয়া ভিলেকের মিনিজেও বিধয়। গ্ৰহণ ভাগ করে মা এবং মণ্ডী গণের পাতির মৃত্যুপান্তি কর্ত্বী-সংগ্ৰুতা ৰা হবার সন্তাননা ও মৃত্যু গইলোঙ সভীগদের ্টীস্থ শক্তিতে মূড়া পাঁত জীবিত হওনের সহাঁবনা ্থার উদাহরণ সভী নিবসুন্দরী ও শভী সদদের রতি ও जो माविजी ও मर्जा दवष्टमा अमर्जा प्रत्यामशी देखानि र ্দি কছ্ যে সভী মন্দোদরী এ উদাহরণে কি থাকার " মুবে ভবে জান জীরাম চন্দ্রের এম দুক্তি আছে যে যদ-

क्षि नामीत रमक सम्बागरगढ किया मा जिल्लान दशक्त विभि जीर्गायकी। मधवाहे । श्रीविदेवक हा १६ अक्षाह्म । नार्क गरम्पामतीयम् अकेशास्त्रद्वन त्रीवृतिके केशारतक्ष्यक् व्यक्तवा **इति**सिक्त नित्या नकी की नामद्र वास्त्रप्राहिस निधार थाकियात मृत्याचे वारह। बात मुझी नात्री अत्वत हान কোথায় ভাষাও মক্তবা, কে সাহু পুক অনু, বাৰ্ন্তায় চিত্রভিনিক্রেশ করুণ। **্রেখ**ুশ্যামা সভীকে শস্তর बनस्य थात्रम् **करतमः, अ तादा माजीरक आकृतः करक तर**हन ও তুলনা র্জীকে ক্লিফু মুক্তকে খারণ ক্রেন_{ু ও}ও গঞ্চ नजीरक नक्षांशत भौरती श्रेष्ट्र व्यवशावन करवन, मुक्कानि । অভ্যব দে ভণ্ড বেশী ইছা ছুইতে জীগণের আন্ত জানিক महाभ कि आएइ सीहार्विदवक्कः **साहा म्यवश**् হও দেখি चात जम ागरक दम कि अधीय तुरु (खात छोरा चरा ক্তার: হইলেন সক্ষান, কেন্দ্রায় সম্ভান প্রতি পাতে প্রয়ন্ত্র হত। প্রথমের সে পুরুদ্ধর দ্বত ক্ষরীক্ষে সভ্যোথ করিছে পারেনা এ^{*}বৈষ্টু বাদ্ধর :কুটবাদিচেও নস্কোন করিন্তে অক্তম এইওকাঞাপিতা স্থাতা ভাননী ভাগিনে ·भूफा भूकी तकाठी (कार्ट) याचा बाधी (महमा मानी शिद्ध) लिनी रखंद्र साखड़ी गाया गायक मानी माधाम् लियार काएमाम् मूएमाम् ७ चारं चनाना आफा अफ्नी देखाः ' দিতেও বাছার মম সধোল করিতে অশুক্ত ,ভাহার সনা সভো্য-করা হে, কি পর্যান্ত হোর নব্রক ড়াছা ভাপনার সুবুদ্ধি শক্তি, ছারা বিবেচনা একর দেখি, এবং এতাদ্প কুপৰে ফোৰুচ্ছি জীৱনকে প্ৰয়েশ কৱাইতে ৰাঞ্চ কৰে নেই ব্যক্তিই বা কি পৰ্যাস্ত প্লোৱ নারকী ডাহাও বিবে-কলাকর সেখি। আর ছেশ আপনি স্বীয় প্রিয়দীত

াপ্য শ্রেম নিধি পরিত্যার প্রঃশর র্পার জ্পন্নী ারের প্রায় জ্ঞাপ্য প্রেমেছায় সভীর দলীত্ব সংহার াননে মছাপাপে পদ।ভিষিক্ত ছইতে মনে।ভিনিত্যদ াবিতেছ একি তদ পক্ষে শ্রেষ তব। স্থাহে পান্তি-

, প্ৰাক।

সঞ্জবানি পরিভাজা আঞ্চবং পরি দেবজ্য। প্রবানি তথ্য নশান্তি অঞ্জবং নাট নেবং ।।

্র কর্মে। নিশিচত বিষয় ত্যাগ করি যেই ফন। জ্বনি-শিচত বিষয়ের করে অংকিঞ্চন। নিশিচত বিশ্ব এয গ্রহার নন্ট হয়। জনিশিচত বিষয়ে চেটা নিখ্যা হয়।

গদা। ভভবেশী এই সমূহ বাজা পুৰণ মাডেই আ বার আশা নৈরাশ। জানিয়া জানের দফা দকা এতা বিয়া নেবের পলক রহিত হইটা নাক। আয়ে সাকোর তে বুল্জা মূথে হাঁ করিয়া ভেলংকরে চাহিয়া রচিলেন

एोगी कर्ज़ के मानुम्द उत्र मस्क मुख्या।

নিপদা।। অন্ধে মুখে ভাবে দ্বাধু, কেন আর পূন্ধু,
নিপ্রন্য করি আনিজ্পন। নিজাকেন করি চিপ্তা, আলবেন্ধ্র পতা, এই বেলা করি অন্যেধ্র ।। আর কেন দিয়ে,
শো, বালকের মত ভারা, অবসর। হতেতে রজনি।
ভাস্কর উদ্বিত হলে, জামনি ড ক্ষর বলে, মুভ খণ্ড জবিত্র
প্রথনি।, বারণার কেন আশা, বুঝিলাম কর্মনাশা, বারি
নাম কাব মাত্র হয়। এতদ্রেপ ভাবি তত্ত্ব, নিজায় শানুর
্ত্র, গাত্র দালি নেত্র মুদিরয়।। চেতন হইল নাশা,
নামায় সহিল সাশা, রছিল বিজ্বলে সভ্যাগর। উন্ত্র

क्षा क्रिया केर्निको कर्क, देई उदबंद भेकी शक्त, खेलाने कार्य ड द्रमें विशेष किला दिया असी चटन, या शिने विभिन्न ने नेट हुन र्शित खेराम्बन मिना अधि हा । विकास दहति **। कथा** । अक्ष टवर्षि रुथीर्जन, अतम्रत हिर्ला, वर्षा । देखि 'अ**द**की 'रीड्रि ভাষা আতাকে ক্ষিতা হয়ে, পতিক হ**ইল কিটি উল্**য शायर होत कक, शक्यक मर्शात मक, अमर। बरेश ताथा लाहा। तमें है जिले खेतीमत्म, मिमोडिशा श्रेतीयान, जाता বাংয়কপর দক্ষি। একেউ সোর বিপন্ন, শতক্ত , স্বর্গা প্রতিষ্ঠালার জনা প্রনী নামা বিখ বাক্য ছেলে, वक्षरण्य वाका होला, द्वेषिटलम बर्फक द्रकंशि । बालान ace चिन्नेती विटल्फ मन्नो विन्नेन, न्नोने कंग्नि **स्नी**ने ब्याक ८वरि . अविश निद्धाः कृषान, चिकिन्ति पात्रं कृशान, १८८१ क शांकिक राषाम्यीति । तक **कीरने अंकूनाला**त. कृषा कारकेत अमारे. क्लामांत क्षिति ब्रेटिन बाहर कि वालाई, त्याशात जालहानाई, ठीकृत जायाँक व्यय आह । छिड़ि अबिक्य देखाने, तात्त्रत घटत्राज वान. कंत्रमीवदम् के हें। वमसी ि स्तिश्च यक्ति वाकः सारक ट्यम किसि र ने हो, अई 'दवीको मोध्रत' मेखरिक (h. अटी अकि. मर्का प्रति: - Cक्राएम । इह त्यां त्यू बीर मिन्दिलादे । मालाह र्खानात्वन शांतकति, त्योग छात्व यस नाती, मांश् भारतं शाद शावर है । किसानिए माध्मार्क, सकाक দিলে আরতে, কার্বা হৈ বু ক্রিয়া আরম্ভিল।কেছ গর ছন क्षेष्ट्री, महिक मूलव करते, कहा अर्थ क्षीण विमाणिक । কোঁ চক্ট্ৰাৰ-ভুলি, চেকিলেন লোমাইনী, কেই চ উন্ধান করিল কৈছ ক্ষতি হয়ে ফার্নপ্রচণ্ড ক্লেফেডে উগ্ শ্বগাৰ নাশাগু কাটিল দক্ষই কপ কৰি; তায়; দৰে থাকু

ারে বাহ, ছলে বলে যামিনী পোহায় চহল উদয় সময়, ্রিকং মহালয়, পশসর অস্তাচল যায়।। এসি সাধ্ बद्ध राहनु, चेहिना व्यक्ति खहरसु, मूले शास्त्र तगरण महन् हे क्ष्यांन करमक मधी. प्रश्न मम्ब्य हाथि, तत्व मधा राज्य 🖣 গ বন্ধন। এই বলে যতগ্ৰনী, ভুলিল হামির সুনি, সংল লাকাপের নেড়া, কেম বলে পেঝি ভাই, টিকামী কোৰায় ভাই, ৰাধ্ মেন গাছু করা নেড়া ৷ মুকুটে ুসেরিনা মুখ্য, জন্মনি কমেছে মুক্, আরি মুক্ত শিল্পাইছেও ेरहा। मेर्च प्रांत शर्दिरतिः कीनिसामा एका करिः महरूप भागा भरित करहे । स्थालहरू दक्क्र, भटल ८६० बाजा राष्ट्र, तर्मान, वित्र एए द्राम । अप्रे बल सक्त হামে, প্রের - দ্রার্থীয়ে। গগেন, মড়ার উপত্র সার বিজ্ঞাত लिति विला तक्षेत्र, कांग्रे शास्त्र भूम हिंहें। वाश्रु ता ষ্টা, প্রাণ্ডি পেশ্ব । বালে পরিকে জন্তুম, অন্ত পেল্ । স -हरा इत्र तका इंडन का विश्व के कहा कि का किए विश्व विश्व राम निर्मा व्यक्तिकः। ज्ञा गिप राग्य द्वारा भीतः। राष्ट्राति লি সংগ্ৰহণা, সভিয়া লেখেয়ে হবস্থা, প্ৰাকেন ক্লিগা গৈ ন धान वामका केवा (२ म. वाक्तिमारावा वामाम ... मा अधास (५)या अपने । शहन कात दशन घर । एर्झ লাকৈ এটি, পান, ধান বিধি **ভাত সাহা** সালি ও জালে কলে মিটি কথা, সেধেৰ মুভাইলা ল গা, দীলা তেনে क्रिक्स अञ्चलात्वः पिकर कुमञ्चला, शक्तिभाग का वहनाः অিক কি আছে এরপার। মবিং কি বিপন্ধি, ভাষ ्राया कांके पाति, त्यारशत भएन भागि अत्या। भागा নিশির ছাপেরি, এনে সম্মেই নিক্সাতি, কমে বেন পাত শৰ ক্ৰাল্ড - এতেক আংকেপ ক্লিডেলে বেন্ কেপ্ট

করি, করে সাধু সংক্ষে গমন। ফেরং বলে ভায়, দালী রে সম্বাদ, বাধ্ ভাছে আরে: জুলাতন ।। উন্নাভয়ে बत्रे, हत्व यात्र कत्रे, बत्र् हत्रावत विक । हाकृत कायांके खन, काक म**र्थः भू**नका कांटा उत्म कतिला যিনতি।। মাধাখাও কথা রাখ, যেওনা হে থাকং এতে স্থা চটনাং। হইয়ে সাথের বঁলু, বিষাদ ছাড়ছে সাপু, কেন কর বিচ্ছেদ ঘটনা॥ দার্শার প্রতি রার বৃদ্ধি, িংগে হবে ব'ব্য শিক্তি, এফেবল অজানুদ্ধি ভব। শবুদ্ধের করে ঠাবল, স্ক্রী, কটে প্রায়ে বস্তু, হায়হ কারে কি বা কর।। मानाबुरन करावर, हाँका हरन माना विश्व, छथ नेमा कहरत् भारता । 11 % अच्छा द्रांम**5का**रता भश्मम कतिरहा कार्य, ক্লাত- ে এ ধান আয় ৷ বাটীৰ বাছির ছয়ে, প্রাছরি কারণ লাখন যা কালে চল গে জাহিলাগের নামার র**সবতী**, প্ৰভিত্ৰতা মানুট সভী, এট কৰা হয় পুনা ভাগে ॥ সভীৱ महीष् कना, विख्याती भवतम, अधनि इतेन (मुद्देक्का) हास्त्र । व्यक्त हें अन्य हरेल विन, लाक्त्र हरेल জারাজন 🖰 🚱 🔗 অধিন ভঙ্গে, নাণকার লক্ষররে, াক ভাছে কাঙলি ভূলিল। হিরামেছন মনিয়া,, নাব। সার পাশিয়া, পাক্ষাটে ডাক আর্ছিল। বাঁউই পাউই দীয়া, স্কৃতিকজল কাকাতোয়া, ময়না মান एक भावी । रेक्स्यानि चलान पुक्कि, किस्क मास्त्रक যৌচুজি, নীলকণ্ঠ লালমোছন নুৱী।। সারস পেদার वाक, 🕬 ठठी ভिমরাজ, ভরত ফুল টুদী আংদেশ। कुटनायुष्की सङ्ग्रेड, याहत्रका शानद्वीछि, प्रश्न वैमहत्वोती दमन । कलिंगि विष्याम, कूटक धृषु लिए-রাল, তোডা হরিয়াল হাজার দস্তা। চগ্নেলে জাজলা

্থী গৃহকে জিজামা করিলেন যে সে পাশিটি হোগায় ৷ গৈতভাকা ক্রাড মার শ্রীগণ দ্রোয়মানা হইয়া গলবাল '। निर्माह व्यक्तभाग कहिन एए एक ठेरिकुत्रांकी नामी भएकट কেঞিৎ নিবেদন আছে জনুমতি হয় পুকাশ করি। গুলামুখি শুলা**টলেন দেকি, সহ**চারীর। কছিলেছে, চাকু-বাণী **ও**ন। মাতা পিতার অনিষ্টকারিকে তথা শৃতা **৮তের: কি পুকার স্বেহ করে** রম্বর্তা সঙ্গিনীলণের এম দ^{ি ভ} गृत्रम क्षेत्रकीयक्षांगान्यत क्षित्त्वर द्य राष्ट्र शिक्ष প্রিষ্ট ভারির পাণ দিন্ত কারি চইলেও পাপালিত ्य मा एपम महजाती बार्टिंडा कहिल द्य दन मरकेत हैं 🕏 িন্দ না করিয়া মাশা কর্নের জাগুড়ার জীকু গজে শক্ষ মন্ত্রের কেশ কোঁপাদি চলের পল জ পুভৃতি বেশ-াকলী মুওলন ইতাদি বরিয়াছি। সতা কৰিলেন ে কি প্কার। তথ্য স্লিখী ব্লের। প্রযুখীত পাদে ्रवा कारफाभाष्य ममस् वर्गन कहिएलम उसन्छ। एकः শ্বে অন্তরে যজ্ঞাপ হয় তজ্ঞাপ হইয়া কহিলেন গে তেও-ারা কেন্ত আমার পাণনাথে আনিটা দেন মেনেছ 🕬 ায়স্ত বৃত্তার সেট পাংকাদ্বের পদ প্রায়েনা করিছ ইলে ভাষার মতীব প্রমের কথে৷ অনিরতা হতুনেক ্ডারনা ৷ অভএর সর্থাতে শীঘু <mark>গমনে সেই</mark> বিগ্রহতে ামার নিগৃহ ভোগ কছা । তার নিশির ব্যাপার কাছা ক্ৰ ভ্ৰান্ত করা হাবেন। ইছা বিশেষ ৰূপেই কুক্ৰের - জানিও রাখিব। কেননা গত নিশিতে যে ভ-গবৈশা ্ত্ৰ ৰূপ ধরিয়া আদিয়াছিল ভাষাকে জামত: বলেই करन विश्वाम कहिशाहक उडक्रम एव शहितदर्स विश-ালে আনিয়া এই চায় রেশীর প্রনা বার্ছ, জালারাপ্

गर्णाच गुवागिका।

রালিয়া ছিত সমাদন করিব অর্থাৎ সকলেই জানিবের हिनके कला खानियाहरूम हेक्। क्रांठ माज भाने पूर्ण ক্ষিল হে আজা ঠাকুরাণী আপরাম্শ পুরেভবা বড়ে তী মূখের আজা হইলেই **আজা** বাহিনীরা জীহরি স্বরিয়ঃ और दि करत तमवर्णी करिएमारे **एटेट** विमय कि। मानी গুলের) কছিল বি**লয় আপনার হস্ত** চিত্র পাত্র: রুন্রতী কহিপেন দে বিশয় সবেনা দেখলো রভি কাফের কৃডাত সম দরাম শবে জায়ার পাশক ভইতেছে। গ্রহামি नात अखानवाक) खनिका गंक गांचिमी नाटन जक नथी शक গমনে রসরাজ সমিদে শাঁচে পুখাতো করিলেন। এখানে ক্রক রাজে। রাজপুত সান করে ভবু সহকারে হকান্তার प्रदेश करते मणांच कहिएउर गरिया अरम्भः। इहान, जानस्र বাজগৃত্ত গাজোখান করত আশ্রহণানিত চিত্তঃ করত ! কান্তার বিরধানতো এলেবর **শুদ্ধ ভরুবর পু**ল্ল উভাং হয়ে পুস্লিত কাছে লা বে বছয়র বায়ংবত হছ ছত্র उठ शक्तिक व समस्माह व्यवार्थ मधाना श्रीष्ठिक कहेंना भंगं साहम काछि वास किरिजनसद्य भारत शियानर आहर উত্ত গুড় ইন্ডাদি সূত্র মির্মাত করিতেও বাসীর বাহিতে অংশ শাল নিকটাবতি প্ৰেপ্লেলানে মহেশ মঠ পাড়িতে অধাং শিব নন্দিরের রোগাকে গাত্র চালিয়া ইভসুত ल्भित शर्था ६ इने कहि कति एवं शाकित्वम एकमस्त कर-হরল বিহায়ে লোক লক্ষা ভার ভাত ভাবিষা গৈয়াব-লখন করিয়া আপনার শর্মরেজিয় পুভূতিকে কি কণ ভংগিন: ক্রিভেছেন ভাত্তিস্থেমক প্যার প্রপে নিবর্টা र हेल्.

নীলকামের ইন্দ্রিয় ভর্মনা ও পিরং পাশে যাত্র:

ও পুরার পুরিত দাসীর স্থাত সন্দর্শন
ও তথ্যমিপে গ্রম ।

অধ্যমক প্রার। মনংভব ব্যবহার, এভাবে কেন্দ্র নঃ মেহেনীরে তুলে কিন্তে দিলি খনগা চিত্ত তব জনে। ছত আমার ফেলা কারে। সে ভাবে অভাব খনে মিট্ ভাব কারে।। কার বৃজ্যে বল বৃদ্ধি বোল্লা ছই এই। কেবল ार्ने छ। घरत कद्र बड़ी बड़ी ।। कायरत किकारय सरल सहल ছি কাম : কি উপ্ত দিবে সতে স্থাইতে ক্যেন্ত নিজ-कि में करते. को मन । दिश्योग एक जारी दकाषाय পৌৰন এই জ্জা, বাধ্যের হিজেল কি আছেছ ভারে স্থা, নিব্য বল্লছ জুলো নাছে কেন সহ । কেন্ডের কিনেদে জন্মণ্ডির শো পালে। বান্ধ নাছি ছবলী চল বেজেবেন। প্রেপ সন্ধানিধান প্রায়ের ভারত করেই ভারতের । এইছ লন) ভারে ভারেরে । মুনের মুনগারী ভারে জ্বা নাতি াম া কে স্তামুশ্বৰ সূত, মাজটলা গান ৷ কি সুকো ্ৰিছ নাৰা কি মিচাৰ্ব লাসাও কাচল কৰে। ছৈতে লাভিড ংকন ভাৰী, বাসায়। স্পিত অভারে নিজে, আছেকে শুস্ক। াঘাণ্ডি (প্রাণ রোক্স রৈজন্ম, শ্লেক। কিন্তেজ সরতের জ্ঞান े तब ५७ (पुरुष) अभितम युद्धि व द्व अञ्चलक । कर द्व ে কার ফণী হেরে বাজিকার। কারে গৈতের বৃদ্ধি হলে রাপিছের ठकत्। **कि अध्य** अभि**छ शक्त अग अप १८४२ ।** क्तरल দার্পন প্রিয়া রাজ্য প্রেম । এছে দেহ ক্ষান্ত দেহ সহাত্ 'বল ৷ একতার হাও পেরে পামাল বারণ ৷৷ দেখালে গ্রন ার শক্তে ভাবে সম্। জীবিতে হইয়ে একন হই ছেছ শব।। রি ভাবে ঐক) হছে থাক যদি সুস্তে । আওলা সরলা

বাল। কত জালা সবে।। বিবাহ অবধি শৃতি ছইয়াই अम । है एथ कि ट्लामात उफ़ हर छहि नम्रम।। हि हि र हि हि र ছাড় দ্বেষাদ্বেষ । সম ভাবে সবে চল যাই সেই দেশ। আহার করিছা কেন কুমন্ত সন্দোদ। ইছাতে কেবল ক্ষয় হতেছে সন্দেশ।। ছাদয় ভোমাকে লোকে কছে গ্রমশীল। उत्त त्य निषय पुरित बङ्गेशाङ्ग भीन । त्राक्रभुक नकत्त বুঝায় এই অপে। কিন্তু দেহ দৃহে সদা ভাবিয়ে সেজপে। প্রল বিরহ জালা নাপারি দহিতে। চুপি রায় ভাকে ায় ঘোটক সহিতে।। আজি৷ মাত্র সমুখে সহিস অগ্ হয়। নালকাত বলে সুৱা আন সম হয়। অমনি সহিল শীলু যোগায় জুরজে। মূগং। ছলেতে মান ভাজে চজু রক্ষে । না জানিল রাজা রাণী এসর ব্যাপার। চলে রার্ ভাগা নিধি করিতে ব্যাপার। দৃশ্যাদৃশ্য তথ্য **ৰূপ যেন** ८ठाक राखि। दित्र कृष्णिय ८८८५ हालाईल ठाकी।। নত দেশ যায় নিজ **রাজ্য পারি**গরি ব্লাণ্ড গুলি বান हित शूल कति।, मरमर बरल शुन्ध शुन्ध निरम कति। প্লারিডেনা স্বডেডন থাকিলে পুছরী। প্রাছইয়ে সদা কেন খ্রিং থার। একখা কহিব কায় ছরি ছরিং।। নেল পূলে না ছেরিয়ে গেরপে লছরি। পাণি প্রেট বলে দয়। করা হে শ্রীহরি।। দেখাও ছে স্বপনেতে দেখিয়াছি হায়। এই কণ বলে আর মহা বেলে যায় ৷৷ হেন কালে সহ-हातो लाइ कतिगत । मसूर्य मिलिल भाष्य यथा सरवता। আশ্চর্যা হইয়ে রায় করে নিরীক্ষণ। ভাবেকে মাতক্ষে अन ८ ति नित्रक्तन ।। अहे काल िसः। किस कात पृष्टकान । মনে করে বৃঝি মিলাইল মেই জন। সুসার হইল বৃঝি लक्षं अथ कान।। लामात रहेज दुखि अदिशृर्व कामा।।

্টিনিছে ডির হয়ে গতি করিতে নারিলো । সাধু ব**লে কেব**। তুমি করিতে নারীলো।। মন গত ভাব দাসী বুঝিয়া জা-ভালে। পরিচয় দিল ভারে অমৃতের ভাষে।। শুনিরায় সস্তাপিত প্রিয়া আবেদন। ছোড়াহৈতে পড়ে ংনে পাইয়া বেদন।। য়পন হইল সভাএকি চসংকার: প্রিয়া কট ভাবি রায় করে হাছাকার ।। উদ্ভাতে বলে কোথা অণ্ডির গতি। পতিব্রতা হয়ে তার এতেক দর্গ-তি।। তোমার কি দিব দোষ দব দোষী আমি। কিন্তু প্রভুতনি সর আমি নহে আমি ৷ এইকপে নানা খেদ करत भट्टावति । कहि रेकटल मावि भागी करत श्वासति ।। অনুমানে কার্য সিদ্ধি কানিয়া যুবলী। বলে ৭০০ চল। হৈথা রুস্যতী।। কান্দিলে কি হাবে কল কান্দিছেন ধর্ম। সবাবার শ্বাকার ছাছাকার ধুনি।। মিছে **থে**দ কেন প্রানু কর অনারত। উজ্জাপন কর লিয়া সভাজের রুও। ত্টি ভূলে আছু নাহি ভোলে • তব দতা ৷ প্ৰিব্ৰভা ্রজ্ঞাতরে নিয়ত বস্তি।। উঠিং কেন আরু মিসায়ে भगरन : इल टब शहाब निशा तमनी ख्यरन। मामीत प াকো শ্ৰান্ত হয়ে নীলকান্ত। উঠিয়া ত্ৰিল যেন মণি নিলকার।। নয়নেতে অক্সপাত প্রিয়াং করে। অঞ্চলে नमन मागी गृष्टाहेभ करत ॥ ध्यामनिधि मान व्याख खती-েড করিছে। দাসী সহ উচে রায় স্থরিতে করিতে॥ গজ রাজ পিছে লয় বাজী বন্ধি করি। প্রিয়া লেলে অভি ्वरत চालाहेल कति ॥ याहेल्डर मानी मस्तर छाट्य । स কেনে কেমনে লয়ে যাই অনুভাবে।। কি জানি যদ্যপি वमी वटन अहे। दक्हें। एटव अ भामित याथा दीहाई द कि**টা ।। अटलक ভাবি**য়া দাসী সুঙ্ দুই করে। পরিচয়

হৈতৃ বসবাজে ছল করে। অনুভাবে বুঝি রায় তার ঘমননা সাল্যালে বলে ইনি তার সম ননা। দাসীবলে বার পুল কুদ্রিরে বিনাশো। গানা কুট যন্ত্র থেবি ভাবে অনায়ালে। এক বার কুলী হৈলে বোজা আব বার। অস্ত্র কি হারায় যাই আব বারবার। নীলকান্ত বলে স্থী আছে মেন শোনা। কন্তিতে পড়িলে জানা যায় তাঁবা সালা। চুমুক প্রস্তুরে লোহ করে আকর্ষণ। থাকে কি প্রস্তুর তাপ হটলে বর্ষণ। ভুতনাথ পদ ভাবি কহে ভূতনাগ্র সাভ্যে নাগর তথা নাগরী আনাথা।

গদ্য। এখানে গান্ধার নগরে রাজা বাণী রজনীর বিধান লা জানিয়া কেবল এই জানেম যে লগেনা মৃহতের পান অর্থান দুই দেও পাত্র গাদিশে গানেগোন করাই লাগু কেবলার্থে দুই দেও পাত্র গাদিশে গানেগোন করাই লাগু কেবলারে দুই দেও পাত্র তার্যার প্রচান করি লাগু করার কিবলে উদ্বাহন করি লাগু করিয়াটিলেন, ওলকর দিশায়র নিকর অন্তলে চুড়াইন লাগু করিয়াটিলেন, উল্লেহ্ড দিশায়র নিকর অন্তলে চুড়াইন লাগু করিয়াটিলেন, উল্লেহ্ড দুইতে প্রচাত্র দুই ভাগুন মঞ্জলে প্রচাল পাইলেন। এতংকালে রস্বভীর দাসী রস্বাজ সভিতে বাজার লিকটা ছইয়া গজরাজ ছইতে আবরেছিল্পার্কক সভা সভিতে বাজার লিকটা ছইয়া গজরাজ ছইতে আবরেছিল্যা মাত্রেই ব্যত্তী নবব্দে ক্রিয়া র্লাগ্র প্রতিক নিম্মু ছইলেন। অপিচ শছ চারী গ্রেরা বালের সজ্জায় প্রত্তি হইল ও কেছ কেছ রস্বভীকে সুমজ্জানিতা করিতে লাগিল।

রুমরতার সজা।

পঘু জিপদী। পৃঠা দিন প্রায়, সভীরে সাজায়, গতেক ফ্রতী আসি। করে নানা বেশ, অংশেষ বিশেষ,

गडीच नुशानिक् ।

্ষ। আনি রাশীং।। হারে ঘেরি গলা; ঝটিতে মেথলা, পটতে আটিল দাসী। ধরি কুচকলি, কসিতে কাঁচলি, भरत मिटण छटल जै। मि।। भनां कि यसुरक, किल स्हारक? ্যথানে যেৰূপ নাজে। কিবা ক্ব শোভা, রতি পতি লোভা, বিজুলি চঞ্জা লাজে।। একেন্ড সেৱপ, কটিস্থ। কপ, বিনা ভূষাতে ভূষিত। অক্সণে কিরণ, দিতে বিভরণ, ्यन १८४८६ উদিত।। तुस्य मू**प** मनि, द्दरत हिल भनि, मृत्या थांकि त्वान नित्य। छाडे बत्यर, यनः अजियातन, क्रम इस मिटनर् ॥ दन खड़्क खुवन, दक्वल मृतन, नूरणाखन নাছি পায়। জালাক যেমন, করুয়ে লেগন, শিব সুগা উনা পাছ ৷৷ দেইটাল ভায়, সকলো সাজায়, হাছা মনে এদে যার: পতির সঙ্গল, করিতে কেবল, অলে উটে ্লকার। মহে কি শক্তি, হিরা গ্রন্থমতি, প্রকাশিয়ে निजकतः। कर्षवात इत्ल, खाद्याधिया १,८ल, सुरम जाँल-যাছে কর।। কেবল এন্বোতে, রাখিতে এমতে, ধরিয়াছে নানা দাজ। দেৱপ শুভাতে, প্রদানী প্রভাতে, খনে করে দিবা রাজ । নাগান্তর তাহ, নাহি শোভাপাছ ্যন অনাজ্য শশি। সেঅস উলাস, সদ পাতি সঞ্ गाभि वर जान यानि ।

। ধদা। পরে এইকপ সজ্জা করিয়া রস্বতী সাজ্ঞনী গঙ্গে রক্ষে ডাজ তালনাথের আশাপথ চিতা করিছে থাকিলেন। এখানে নীলকান্ত মাড্জ তাজিরাভুর্জাকটে দর্জ লোচনার বির্হালোচনায় সন্মন্তে চ্টিডেং শক্তবালয়ে স্থাগ্ড হইয়া অন্যান্য ব্যাপারান্তে ই'ল ্যাহিনী মণ্ডির উপ্ভিড ছইলেন।

রসবতীর প্রতিসহ লীলা।

পাঁচারা। রসরাজে চেরি ভবে যাত মধীগণ। অংকি সাংস্ত প্রণমিল হরিয়। চরণ।। আগচ্ছ আগচ্ছ তলে করে নহাষণ। হংসী মধ্যে হংস বেন রাজার নক্ষা। প্লকে ুণিতি অজ ছই স মধার। উপলিল প্রেম সিয়া মহি শিয়াবার।। রস হাজে রসবতী হলে কবি লক্ষ। লোচনে লোচন রাখি হির হৈল পক্ষ।। নীলকার প্রিয়া মুখ করি নিরীক্ষণ। নেতে নেত্রে সমর্পিয়া এক দক্তে রণ। উভয়েং ছেরি মোছ উপজিল। উভয়ের স্থির নেত্রে নীর দেখা দিল। নীলকান্ত নেত্রে যেন নত ঘন প্রায় : ঘনং য়ের প্রেক বিজুলি **পেলা**য়। অসর ভীতিল পার। নেজে নাফি গছে। চরণ আজিত হৈছে গছে ধরা গারে।। সভীর ্লাচন যেন সজল নিৱদ। খেত প্ৰাক্তমেই হয় লোক-নদ। আংক পাত আগর হাইতে নুয় জালু। মোহ ৰাগী ভগীরথ আনে যেন গলা।। তৈয়েছে সভীর নেত্র ব্রহ্ম ন্তি প্রায়। নিমু প্রদ কমুগুল শোভিতেছে তায়।। ্মত নীর কপে যেন অবেম্য়া পায়। কুচ কুছ শস্ত্তীয় পরের মাথায়।। বাঘামর কাচলি ভীতিয়া অবশেষে। নাভি বংগ মহাবেরে ক্রেমেটে প্রেমেশ। সভাবে স্বর্ণ লিরি লাজি যে সালার। এই ছেতু লিরি ছউতে পড়িছে নির্কর। তথা সইতে ভাতি সূতে জানু বয়ে যান। মনে হয় জাজ্মুণি করেছি<mark>ল পান।। হা</mark>ড়ে ব্রহ্ম। থারে ধা<mark>ানে</mark> নাছি পান। তেনগুলা সতী চাকে আদানে থেলান।। ढांचे तिल পতি ভিক্তি कर मडीनन। शाँदि चेका उद्योग চল্লে পাবে.দর্শন। এই ত্রপ অপরপ ভেরিয়া উভয়। স্থির নেতে চৌন ভাব বাকা নছি কয়।। কিকরিতে কি

শিছ্রি শর্করা। রুদগোলা রুদে ভরা পাস্ত ছানাবড়া।
গুলা থইচুর ফেলি গোলাবি পেঁড়া।। পায়সাম নানাবিধ
শিপিইক কচুরি। বিবিধ ভাজন ছোকা লুচি কারি পুরি।।
গুডাক্ত রুসাক্ত জব্য এই রূপ যত। ফল কুল আদি
যোগাইল কতশত।। তবে ব্বরাজ সহ যুবতা লইয়া।
গাদ্য ক্রিয়া সমর্পিল আনন্দে মাতিয়া।। পাল করে ডহুশাদি তমুক্ট পুম। দুখা গণে আরেম্ভিল গাঁত বাদ্য হুন।।
স্বিগণের লুভা গাঁও বাদ্য।

লগ্ ত্রিপদী। লয়ে নানা যন্ত্র, করি এক তন্ত্র, করে পুর সম্বাদন । কিবা পাধ্যাক, অন্য আও।জ, চারিতে ফাটে লগণ :: সেতার ভয়ুর, বাজে শুমধুর, ধুঁগুরি াধরি তার। অতি থরতাল, বাজে শরতাল, দারেছে द्राविको कथा। स्माधिकी उथन, जीकरश होमन, दक्किनी इलिएइ डान । कि ल्यांडा समित्त, राजिएइ संमिद्र মানিনী দিচতছে মান।। কল্যাণী ডুাখাছ, কল্যাণ স্থানায়, দুরমা সুরট গায়। গাইতে:ছ গৌনী, পুরবির গৌরী, নিডে ভাগ দিয়ে ভায়। কেদারী কেদার, গাইঃছ (भनात, कृभाती कामन करता। शंख्यन देखतरी, शांश्रेष्ट् ুভরবী, মালভী মালকোষ ধরে । কেছ অনিবায়, ্রাইছে মোলাব, কেছ প্রকাশিছে ট্রী। কেছ অভিযাট, ায় ছায়ানট, কেহু খট বাগেশ্বরী।। বারোঁয়া প্রতে, , কছ বা থায়াজে, জয় জয়ত্তী শ্রীরাগ। সোহেনা নেহারা, वरु निक्न गांता, यान्ती विखंड तरहान । कहरा ানাড়া, কেহবা কানাক্ডা,কেছ হায়ির মুদ্তান। বাহারে াহার, মরি কি বাছার, বসতে মারিছে ভান।। রান

কেলী ভায়, ক্ৰমেন্ড যোগায়, দীপক গৌড পলাগপ रेकेंद्र व्यक्ति कछ, त्रांश मछर, त्नरक मनिक विकाध । करत्र কর তাল, লয়ে কর ভাল, ভাল পেয় ভালেই। করে। নীলকান্ত, সভী প্রাণকান্ত, নভা কর সত্তে বিলো। व्याकः, प्रति निद्धः, फेट्रे भीद्ररं, याहांशा बाट्य व्यवीना : उत्रागरण गंगी, रथनार किंगर, श्राकिंगर श्रिमा ॥ स्करक ८४७३ ७४८म, रेश्टाहेड टकड् स्तरमः **मृक्किश्ट प्**ना । न कर हर, धाना स्टबर, **छाल छेठे छाना** नाना ।। का भानि वाकिएक, बाहा कि नाहिएक, दबेंबरा दमानदन क्षिति । करत कछ श्रीष्ठा, रमामाहेरत श्रीष्ठा, क्षेत्ररकश জলে । পরমে থেমটা, শুভিয়া ঘোমটা, কেছবা করেছে প্রার। আত্তে ফিরে যায়, আত্তেই চার, হারই বলিহারি। . क्रांका (७७) लहा, किजिबृष्टे **राङ्**ए, स्मार्थाक ্ভেথাকে। নাম। পারেও নিয়ত, বেছাগোর গত, পালিছে লারিলা ভাষ । মাডিয়া ভালেতে, ছেলাজে ছেলাডে ্টিংও নহেক **উনু। পদেতে মধুর, নূপুর গু**রুর, ল**দ**্ 🖣 ়াৰ কণ আগু ।৷ হেলাইয়ে বুক, ফেরাইয়ে মুখ, ধাঁৱেং न्य आहे। दिश् रोष्ट जुलि, हरल एकिश, कथन दा फुल ্তি ও আরু কোন ধনী, লট পটা বেণী, চিভানে প্রভূষে এরা ৷ বড় বা লাচছে, কড় বা উচিছে, মরমেতে ভাল পরা ৮ কিবা অথকাপ, মনোছর **অপ, যতে**ক ফ্রতী গণ रा डिल्मांडमः, मृत्रम छेडमा, नुष्ठा करते घनर। » ৬) ছেরি রাদ, স্বচনেতে চায়, কামেতে হৈয়ে পাঁড়ি ভা পর্কা বঙ্গে হায়, যে দেখি ডোমায়, কর পাছে বিপ शैल । नदत्रभ नामन, कदश्न खणन, दम्बिक चाडि ि নোর রস্বাহী কয়, শুন মহাশয়, জঙ্গলা মানে কি

সভীত্ব সুধাসিজু।

রসবর্তীর পতি শ্রতি উদা।

পিয়ার। সভী কছে পতি প্রতি এ আর কি বঙ্গ।
তি চুরি করিতে কি হৈলনা আতল। নিদুতা কনেব
ুদানা করিয়া ভল। কেলনেতে বিবসনা করিলেকে
কা। নামী ছই বলে বুঝি করিয়া উলাল। নন সাধে
নামাশে ছেরিলে সর্বালে ।। নধুয়াদু সাধে তথা কলে
বি ভ্রু। ছেলায় করিলে লক্ষ্য পরিছের শ্রু। মর্লা
কা দহলে ছে প্রমন্ত মাতল। বলতে যুগিত গংলা
কা কি প্রজা। আয়য়রা প্রায় কর ম উপায় মঙ্গ।
কেন পতিয়ে পায় ভার আশা ভল্গ। অনুমান কার
বি থাও গাঁলা ভাল। নছে কেন কাঁকি দিয়া কর বল
বে বনেং ফিরিতে ছে চাপিয়া কুরজা ঘন্তে বিহতে
ত সিহল পতজা। ধনু ধারা রাখে নাছি দলার প্রসল।
কাঁ ভার আছে স্থা নিষ্ঠুর অনক্।
কা

প্রেক্) রর।

া প্রার । নীল্কান্ত হলে প্রিয়ে তাত জান প্রী।
বিজুপ্ন অনম অজি দবে দের কন্ট । শবে কুরং জার্ট
বিল মে দ্টা। তাই করি হেন ক্যা কেন হও কুটা।
বিল মে দ্টা। তাই করি হেন ক্যা কেন হও কুটা।
বি নামুর হৈলে তব লোচন উৎকৃটা। নেই জনা নাছি
বি নিদার অনিটা। কি জানি প্রিদী হাদি কর ধর
দ্টা। তবেত জালায় জালা বাড়িবে অলিটা। সহিতে
পারিব কিনা কটোপার ক্টা। সেই ভয়ে তব নিদ্যা
বাহি করি নটা। ইংখ যদি হৈয়ে থাকি দেবেতে পুরি
টি। ভাল মদ্দ যাহা হয় করলো নিদিটি।

রেশবভার মান ও মানভজ্জন ও নালকাভারে সংদেশ গমন।
পারার । রাশবভী বিলোকি বেলিবি রাশরাজা। হারন

ছবিতে তব নাহি হৈল লাজ। চাহিলে কি পেতে নাৰে लान लिम देव। क्वारेन निविध शक्त शाहित्वर मधु।४ ध्यतीहर निषास चर प्रतन अभिनी। स्मिक कर् नार अरह यस् त्नुशामिनी ॥ अष्ठ पिन सदद दहस्य लक्क्स्पद रूम । अक्टरबट्ड विनक्षण शाहे जोत कना। स्वटल कतिल मर्था দকার্যা সফল। আমার হইল ফল কেবল বিফল। এতেক বলিয়া ধনী করি অভিমান। অম্বরেতে সম্বরিয়া লালে স্বয়ান।। মৌনব্রতে ব্রভী ছৈয়ে নমু শিরে রন্ একপ ছেরিয়া রায় ধিরেং কন।। কেন পাণ অভিমান কর আমা পুতি। অপরাধি হই যদি তবু তব পতি। মরি তালে লগুপালে গুরু দণ্ড হয়। বল প্রিয়ে দেন প্ৰ কেবনেতে রয়।। রভি চ্রি চেত্ইথে এত অভি খান। চাও ফিরে দেই ফিরে মান ভাজ পুণে। যাই দিয়ে লছ পুথে পিরীতি রতন : লচঃ ফিরে লচ বদন গৃষ্দ ৷৷ পছ পুাণ আঁলিস্কন মুখান্ত পান ৷ দেই ফিল ু পূৰণ ডোৱে লখ এই পূৰণ। ইথে যদি অভিমান লা 🌬 া বুর্ন। দ্যুর ভরুরে দ্ভ কর্ব ভূর্ন। মন ডেগরে ব'বি क्षांथ क्रीम कात्रादादत्त । क्रोटिक शत्रल ट्रिकेन वाद्यर : ४ ५८% मरु मिरा कुछ जिति वत्काः अपन प्रकारभ ্ব ী ফে করিবে রক্ষো। ভুক্ত ভূজজম পালে রাখিং এবার। কেশ অকের্যনে কর নিতম পুছার।। ইত্যানি কিবাৰ ক্ষান্ত নামি হও পুৰে। অভয় পুদান করি চোট কর ভাগ দাএত বলি ধরে রায় পুিয়সীর পায়। **দেকি**এ निव दनी शर्फ शिंठ शाहा। अकलान देहनर शहर দাও। কেন গড় গুরু পাপে ফেলিবারে চাও।। ক্রঃ অপ্রাণ স্থান দিয়া পদে। কত অপ্রাধী দাসী আ

পদেশ। তব স্থা বাকে। অন্ধ হৈল হে শতিল। অভিএনান অনুরাগ পেল রসাভিল।। এই বপে রস ভাষে নিশি
অবসান। জলসে অবশ দোঁছে দিবা নিজা থান।। সমত
গাইয়া ভবে হয় নিদা ভন্ন। আহার বিছারে স্থা অনক্ষের সন্ধা। এইবপ কিছু দিন ভখাস বঞ্জিয়া। হদেশে
'গোলেন রায় সলে লয়ে প্রিয়া। যোড় করে ভূতনাথ
করে নিবেদন। পতি পুতি দুচ ভক্তি কর পতিয়ে।
স্বে প্রের অভাবে ওদীয়ালনার বলাহার

ধাধু পুরে**র অভাবে ওদীয়াঙ্গ**ার ৪০০চির **অভিক্রে**ন

गरा: इंड्ल्स्ट वे इव्दिनी मंश् क्राइ न्या -শ্রের মের্ণাছনী নামে উছার বনিত। উত্তর সভিত একা চন काल याध्यान अधिक कहेशा साम ग्राम कारान् नामादित চিতা করত একাকিনী দুঃখিনীর ন্যায় থা কলেন। প্রে শীৰবাৰশ্ম ইঙ্ড নভোমগুলে মগুলাকার সংগ্রু নিকর কর প্রকাশে বিরাজমান ছইলেন। তর্গর ঐ কুল্বালা ⁴ রজনীকাল কাল সদৃশ জানে ও মদনের পঞ্জারে কোয়ি⇒ বের পঞ্চয়রেও মদ্দং মারুৎ আদিয়নে গুরুং থবং কল্লিড ু কলেবর ছইয়া চিন্তা করিলেন যে আদার্কার দিব! কটে काहोहेलाम किंदु निभा काहोहे नांग्र रहेल. यापान द्यावन **७तभी का शांती विशोधन वृक्षि धा**त्र विवय भागपा ু নিম্পু ছওনের সম্ভাবনা ছায়ং উপায় কি 🕟 🗯 🕬 🕆 , নাবিক আপনি এ জীন তর্ণী পরিত্যান গৃহৎমর কোন তরুণ তরণীর কাশুরৌ হইয়াছ, ভাল ছও্ং প্রে থাক াহাতে এদানী সুধা বটে, আহা ভাল থাক ভালবাসি প্রত্যাগমান সমূদ্য ছইব। এতজপ ছাছাকারে প্রতি त्रभनी श्रासारण कर जिन काष्ट्रारण भागर विश्वा कतित्वमः

. अध्यवशिक्षणमिधि अमानीयत जुलिहा दर्माधार तकि লেম জি কালার কুলকেই পড়িলেন কি আমিই মনোমত্ব স্থি ইছা ভাবিয়া মনোমত অঞ্চনা দলে বৃতিব্রেট বা নাতিলেন ভাছা কিচট বৃতিতে নারি কিন্তু নারী হইছাও এবয়িধ পোড়া পোড়া মদনের পোড়াডে আর প্ডিডে পারিনা: এবল করে চিন্তার্লর মৃগ হুইরা **আওঁ উপা**র স্থিত করিলেন যে যামীর নিকট কোন দিব**স ভ্রুত আছি** াম প্রী গণেরা উপপতি প্রাণ্ডি করিলে অন্তান্ত ল্রান্ডি পান এবং উপপত্তি পাতি অপেক্ষা ভারিক যেছ लकाम भृजिक के उपभुष्टी निश्तक शर्लक लाज ताज राजा। <u वर ः तमनी त्रकाख जिल्ला खना कारण त्रांक मह्माना লারেন ডাহার বৃক্তির ভীক্ষ্মভা অভ্যান্ত**ন রূপে নয়াদন** হয়। चार ११७ भृक्षम प्रभां कदिएक खीन्नराद्वा ८घन वन भाग प्रभान পাংসেন। অভ্ৰন এই দুৱল স্থাপারে যে কি দণ ভাগোর ভাষ্য আমার অগোচর। **কিন্তু দেই** বির্ণিণীর পাঁতা, দ্যায়ক অলাচয় কৃতাস্থ সম দু**ৰ্দাস্থ বসন্ত** পতি *চইতে* ুনি কামাও গোচ**র ছইল। ইত্যালোচনা করত** গৃহ ्रेटर निर्पं करहेश है जन्न ज जबर नाक्य करिए । शांक ল। হেন কালে **বন্ধ্যার প্রাক্কালীন সেই** গামের গাম: কোটাল থাদিরাম দদার ঐ পথে গমন করিতেছিল। তথ্য যোহিনী ঐ কোটাল প্তকে দশন মাতেই ভাবিলেন ফে কেন আর কালান্ত কালের নায়ে কন্দর্পের দর্পে পাণান্ত গরু এই কৌটাল রড়কে যড় করিলে এই পাপ ফর শরে অবেদর পাইতে পারিব, স্তরাং ইছা ভাবিয়া ঐ গাুমা কোটালকে হাসাননে দকিগাল উলাল ও বন্ধ নেত্রে চঞ্জন দটি করত কহিতেছেন : হাগা ঘর শোভার দাদ্

পুশ্বির আমাদের বাড়ীতে এদনা গা। পুদিরাম কছিলেন কেনগা। মোছিনী কছিলেক ওগো আমার একটি
পূশা আছে কোটাল পুত্র কছিলেন ভাল এই গানেই
কোনগা। মোছিনী কছিলেন সে অভি গোপন কৰা, ইছা
লিয়া ঈবদ্ধান্যে নয়ন ভালতে ইলিভে রক্ষেতে স্তন্তর্য
লগারর করিয়া পুনঃ অম্বরে সম্বরণ কলিল অর্থাৎ সুগল
চি হইতে বক্স হরণ করিয়া আবার আচ্ছাদ্দন করিল।
থেন ঐ পনিস্তনীর স্তনম্বয় পুদিরাম দর্শাম মাত্র গাত্র
ভাছরিয়া মদন মাদ্দের মন্তভাপু যুক্ত চলো। চলো এই
ক্যে পুগোগে মোছিনী সহিতে কটিতে কটিতে পুনেশ
ইল। পরে ঘোছিনী সহিতে কটিতে কটিতে পুনেশ
ইল। পরে ঘোছিনী অম্নি নির্জন পাইয়া নিজ
কালকে উচিয়া কোটাল পুল কলে রক্ষে ভলে চুড্বর
যোগে পুগাড় আলিঙ্কনে মদন বাণ ছেদনাত্তে অভি

শোক।

নক্রীণাং মপুিয় কশ্চিৎ প্রিয়োবাপি নবিদ্যতে। গাবন্তং মিবারণ্য প্রার্থয়ন্তি মবং মবং।।

অর্থ। প্রিভেরা ইছাই কছিয়াছেন যে স্ত্রীগণের পুষ্ণ কেছ নাই, প্রিয়ন্ত কেছ নাই, যেমন গরু সকল নিতে নব নব ঘাদপার্থানা করে সেই ঈপ নূতনং প্রুষ প্রীগণের প্রথিনা করে।

এবং পুরুষও ভজাপ। পশুভেরো কছিয়াছেন। শুোক।

নাগ্নি স্পাতি কাষ্ঠানাং নাপগানাং মহোদগে।
নাস্তকঃ সর্বাভূতানাং ন প্ংসাং বামলোচনা।
ভাষা। কাষ্ঠেতে জনল তপ্ত কভ নাহি হয়। নীচগা

মহীতে জলুনিধি তৃথ নয়।। পুরণিতে নাহয় তৃথ যয়। মহালয়-। পরালনা পুরণিণে পুরুষ তৃথান্য।।

আবং ঐ কবিতার ভর্থ জীদিগের প্রেভিত তার্তম হয় তাছা গদ্য ছন্দে নিবন্ধ করিন্দান।

কাঠেতে অগি তৃপ্ত হয় না নদীদে সমুদ্ধ তৃপ্ত হয় না সমস্ত প্রাণিতেও যম তৃপ্ত হয় না পুরুষতে জালোক তৃপ্ত হয় না ইডাদি।

CETTE 1

সাহঃ গুণাশুরং কীর্ভি যুতঞ্চ কান্তং পতিং রডিজঃ সাগনং যুখানাং। বিহায় শীঘু বনিতা পারং নারং এষাতি হানং গুণ জাতি বলৈও।

ন্ত্রণাধার কীর্তিমান সুন্দর বরণ। রতিবিজ্ঞ ধনবাৎ, তরুণ ঘৌষন। হেন পতি তাজি শুণ ত্রপ জাতি হীনে অকাদ্যর রতি দেন যুক্ত জীগণে।। অত্যাব ইত্যাদি।

शद अ ध्याहिनो शादः निना गम्पानां करव म तए
इहेश श्वाट मृजाद इहेश शृम्द्रिया रातृ क विमान मिलान। उथन वे हृतां शृक्षिक हो । यह महम हिश्मात शृक्षिः के तादर शाम्याद शृक्षिण विशेष विष्कृ छ हहेश अखन शमन किंद्रित्र आक्षारम् आमिट्टः हामिट्टः छादिए द्य व्या अशोषात्र मक्षा लाकारकः आमि। ध्याद कर अद्या ध्या अशोषात्र मक्षा लाकारकः आमि। ध्याद कर अद्या ध्या स्ट्रा छेलद श्रष्ठा हहा, द्राह्य कम मुखा ह द्राह्य उत्र माट्ट मिनि मिट्टा दाहिन अम्बा धर्मा दिल्ल कांग्रित, बांश्रित हिन्दु दमाय दमद द्राह्म अया छेलद्रल्या दम किंद्रित शाहिन करक द्राह्म हट्ड इहा, अथन देनकृत द्राह्म मिन करक द्राह्म हिन्दे । শৈ ভাবিতেং যাইতেং নাকি সুরে একটি টপ্পা গাই-তংহন দে টপ্পা এই।

তাল বেফটা। রাগ চভাল। ছোকরার পারিঙি দুকরী ভোরে দেখাবো। भूते। धन्ना धरत पारनत चरत करेकारने चा कानारता ।। এই কপ টপ্পাটী গাইতে ২ তাটা গ্যন করিলেন অন-न्त्र रक्किन त्यारन अं त्यांकेल नानत मञ्जाशत नानती আলাবে উপস্তি হইবা মাতে মোহিনী মহা দুখে দৰী ্ইয়া কহিল ওছে প্রাণকান্ত এদোও তোমায় না ছেরে भटक खोश जिलामा अटब ट्यामाय क्यान कहिट्यर आधार ালকে প্রান্ত ইহা শুনিয়া কোটাল বাবু কটিলেন ভূমি ীনাবার জন্যে ভেবেছ, আমি বারান, বারান, আমবা-ান, জন্সের পাটে, ট্প। ইছার ভাৎপর্য) ঐ নৱ সুবর্তী थल विकामित्य ज्ञाम कतिहा महतावत्र एटि नाज मार्ब्स्स িরিনে ছিল তথন ঐ ফোরাল রাত্ব ভারিকটত্ব আমো-ানেত মধ্যে প্রজন্ম তেশে থাকিয়া নীর মধ্যে এক লেছি নিক্ষেপ করিয়াছিল। এইরূপ বিবিধ লাশোভরে হাস্ট্র ্লে রতি কৌশলে যামিনী প্রভাত হইল ও পুদিরাম ংবুর সেই পর্যান্ত বাসী হাওয়া ফ্রান্ত বহিল। ক্রমে নিভাং নিভ; শেবার উভয়ে নিযুক্ত হইল। জনওর ্মাছিমীর স্বামী সাগু প্তা **রূপ**গর দং**দী ক**র্ত্তি অপন্য নত অভিযানে কেশ শৃথ মন্তকে বাগাছাদন পুরনের এথাৎ নেড়া মাথায় চাদর বান্ধিয়া ধিকিং চলিভৈছে ন এবং রুমবর্তী কর্তৃক প্রুম্ভ যে বঞ্জবালি পরিতান্ধ। ইত্যা-भ ल्याक लोका मन्नर् किछ, कति एवर निवात मान न मध्य গ্রু নিকটমু হইয়া ভাহাদের হাস্য পরিহাস্যাদির হাত্য

কর জনিয়া বিশ্বয়াপর হইয়া, ধবাক্ষ, ব্লারে দৃষ্টিপথে
করত জোধে গরহ থরং কয়িত করেবর হইয়া অটিতে
বাটাতে প্রবেশ করিয়া গ্ছের দার খোলা, পৃছেব দার্
খোলা, এই বাকা প্রয়োগে মস্তকে হস্ত দিয়া বদিলেন
এবং ভাবিলেন যে রাজকনা। যে মন্তর্কাণ পরিভাজান
রি শ্লোক পাঠ করিয়াছিলেন ভাহার ফল আমি প্রভাকা
ফিই পাইলাম। হায়ং ভামার ভার্যা ক্লিতি হৈর্যানিরভ
ছিল কেবল আমার পাপেই পিয়া পালিনা হইল।
আহা আমি কি কুলালার জন্মিয়াছিলাম কুলালার করি
নাম এইকপ্রত্বরিপ্র খেনোজিতে কভলত দার্ম শাক্ষ
পরিভাগে পুরন্ধের অলার কংলারে গরাজা পুরন্ধির গল্প।
বি আপনাকে মানিয়া হে পার্মেশ্বর জগদাপর গল্প।
আনাথ দান হীনে রক্ষাংকুরুং রক্ষাংকুরু ইভ্যাদি দৃষ্ট
গ্রানে বনগানা হইয়া সাধু সল্প লইলেন।

নাগু সুভের সাধুসন্ধ বাতীত উপরোক্ত সমাক্ বৃত্তা ভের তাৎপর্যা এই যে পরক্রীতে আগজ্ঞ হইলে স্বস্ত্রীতে পর পুরুষ ভোল করে আর পর পুরুষে স্থীরণের অভি পুলিত হয় এতাবলাল্প স্থী সনিধে পুনাব করিলে স্থীলনের কুলাচার অভিক্রম করেন অর্থাৎ কুপথলামিনী হলে আর ক্লীরত্ব বিদ্যারত্বৎ অভি যড়ে রাখিবেন যেহেল বিদ্যা পুতাক্ষ বার্ডাত পরক্ষ রাখিলে বিপক্ষবৎ হয়েন

শ্বনন্তর ঐ শঙ্কাগরের প্রী উপপতি সহিত অবি নিদ্ধতিক মদনোৎসবে শাকিলেন পরে একদা ঐ পুদি-ভান মেছিন্তির গলদেশে হস্ত সংলগু পুরংসর কহিলেন যে পুলি আল সোর পিটে থেডে বড় ইফ্রা গেছে গোহিনা কহিলেন সপা ভার চিন্তা কি এক্ষণে পুদ্ধত করি

हा विनशा पूर्व एक लामि हुन कित्रशी मक ठाउँमी ृती थाति मस्नि थर्पाः श्राम्य । अतिशासि श्राप्त ্বৰ্ণাৎ ময়দ। প্ৰভৃতিতে পুৱী কচুৱী পুল অৰ্ণাৎ লুচি টি তাদি বিবিধ পিষ্টক পাকান্তে পাত্র পূর্ব করিয়া এ কোটাল পুল ব্যাত্তক ভোজনার্থে সাদর পুরংসর সভো ন্করিতেছেন। এলোছে এলে। বলিও নর্গচোৱা . মনোচোর। **এ**লোনা শুনিতে কি পাওনা। ইত্যুক্তি শ্রুত ाज नृतिद्रोप उातृ कांख्यारम खझ हेनर हनर बनर ্ষ্যাননে রসিকতা করিলেন ৷ তথ্য হোকে ননি চোর - CHR । शोशांक विक्रिया गृहे शिक्षा थातृति । स्मिहिसी ্তিলেন ছি ছি প্রাণ একবাও খলে। জাসাই ছামি ্ভাষায় ভাৰে থাওয়াই ইড়াজে গে শঞ্ল ম্বা পাল ছবা **ভাল:** হস্তে লইয়া পুদিরাম আৰুর বলন বাদন তরিয়া গ্রাসপিণ করিবা মাত্র খুদিরাম রাম্ব শকে ১ুখু ंदिसा दक्ष निम्ना कशिन। या या या । छुई कि ४ शटन द भिक्ति शास्त्राम् घिरहत शस्स वैगटल कता सांस ना त्यारम्ह लास्यत कारहा शिष्ठी व**ड़ा नि**रथ <mark>साम्रत ला।</mark> .चारक्य (वोद्य <mark>कानिम्टक) (महे</mark> विनिदारम्य मा, याद्र ্পট্ট রাম দেখে কায়েত বায়ুনের মেয়েত। ধন্যং করে দাবার শিল্থ যায়।মোহিনী ঐতকল উক্তি শুনিয়া ঘৃডাক্ত ্তীত সে দকল পিতকৈ ভাষা থালা ভরিয়া এদিরাম তারুর সমূধে ত্রাণিয়া কছিল। এইবার খাও দেখি প্রাণ। পুলি ाम यात्र कहिएलम स्थारक जूरलर एन मूटे से कति किह 🖹 ভোর কোলে দুয়ে খাবে। আছে। তাই ভাল বলিয়া মাছিনী ঐ কোটাল প্তাক জোলে গোযাইয়া পিউক

খাওয়াইতে লাগিল। পরে কোটাল বাবুরসিকতা ক্রি (अम । हारा हुई (राग रहनामाद (कारन क्म Gricन মে: ইনী,কহিলেন ছিছি আৰু অন্ন কথা কি বলিতে আছে ঘুদিরাম কহিল ভূই বড় জানিস জাল মানুষেরা সংখ্য भिवलति कथः सहेटन शाक्ति। खोरण्या करते मा, एकामाः মুল্থ হেল্ম গুলু পোৱান, পোৱান, পোৱান। এই কণ র্ন ভাষে জুধা নাগে পিউক ধুংসন করিয়া আঁচমনাংক্ প্রত্যান্ত্র উপ্রিট প্রংসর কামদেবের ভ্রের ধূমে রতে ৬০% বালভোত্প নিপুণ **হইলেন। গরে** এবদ: দিব রদান সময়ে প্রনের গমনভিত্তি গুরুত্র গুলা প্রস্ত খুদিরাম বাবুতে মেছিনী কছিলেন হৈ প্রাণ লগা আন্দ रा 🗅 छात्र बांधु दिस्स व्याहाः स्मध् क्याहा स्मरियस्टिक होते। ज्याशकि अमिदास तात् विशित्स छात्र किंश वि তে ছা উপার চল। মেটেনী বহিলেন ছাতে যাইবার িভি ন'ছ হৈ প্ৰকাৰে ছাতে হাইছে পারি ৷ এদি .ক ্তিলেন আছে। হ আমি কিঞ্জির করিতেছি। ইত্যাং রুল কংলোলে এক ফিন্তা বপণ করিয়া অথাৎ দিক প্রিং সাসুর্মণীকে ভাষাতে বসাইয়া আপনি কোন উপান আসালোপারি আরোহণপুর্নক উক্ত শিক্তা মহার ্রাটিনারে উত্তোলন করিয়া আনন্দে রভি বিহাদে প্রবর্ত হইলেন। পরে অগরোহণ কালীন ভারপ্রস্থ উজ গুতি যুক্তন, ছটয়া খুদিরাম বারু পুত্ গতিং करण केन्छ पिका विदयु आसिया कश्चित । देशक (क हो। ५ड निकालेट बद्या जाशि गीट्डर ४थक शिव ्रिश शिक्ष है। है से देनदश जात अया छेशाह मारे মোভিলা ক্টিলেন সেকি পাৰ ইয়াতে যে প্ৰাৰ ছাং

সভার সুধানির।

শ। পুঁদিরাম বাবু কছিলেন দুর তুই বড় কানিস দাতি থা করুপাতকোয়ার ঘটি ভোলা হয় আরে এ কর্মা।

নে না নেং শিকেয় লাপ। মোছিনী এমন কপ কোটা।

নে বাক্যে ধিশ্বন্ত ছইয়া মহজ্ঞাহ শিক্ষারোহণ করি ও
কলাহ পরাভণে পভীত নাতে স্ম, শাছের ভবনে

ন করিলেন। ৬ ইছা জনকাতি বারা তন্তে বাক

ব্য প্দিরাম বাবুর প্রান্ধ ছইল। অনক্রে ফাকাশ

্না হইল মেমন কর্মা ভেমন কল অবশ্যই বান ও

বানেন। ভগাতোভা।

Cally !

্ত্তিব সৈ স্থিতিমাটেস ক্রিভিং পটক বিভিন্ন ন ক্তৃত্যকটিঃ পাপ পথে) বি ইছর কল মন্ত্রক । ভাষা পাণ্ডিত কর্কি ভাছ, ক্রিভিত্ত ভ্রিকা । পথ কি প্র) ভাষা, ক্তকি যে কল ভাছা তিন সিবাদ । ভিন প্ৰেক্ত বা ভিন্মান্তে অ্থাহা ভিন ব্যাহর্ডেটা ক্রিকাছন।

> গাঁত। রাগিনা (১ হিটা , ভাল ১১কং। রমণী রুমণে যদি এও স্মতন্ন নুন্ত । চেতন ৰূপা, কুমণীতে করু আংলিজন।

কাহিনা বক্ষত ফলে, লইবারে করওনে, সদ, তাস গাদভলে, কেনরে লুগুন। ও)জনে বিফল ফলে, লোভি। বেরে চারি ফলে, চলরে সলস্দলে, করিতে রুমণ।

বিচ্ছেদের অধাকারে, কিব্লুপ প্রেমকতে, কেন ছাত্র বিরেশ, হও জ্বালাভন। ভাই গোরে গলি আগম, সেই তানে হও প্রেমী, বিচ্ছেদের ছেন্দ্র হয় সর্বাক্ষণ।।

শীলকান্ত রসবভীর ভবুজ্ঞানের তত্ত্বে প্রবর্জ। नम्। अश्वादन नीलकान्छ श्रीय तारका तमव्यो निहिन्त काल राभन कत्र अकता दुख्नी (याद्य श्ववादा नगडि ব্যাহারে বিহারাথে বাদীর পার্যবন্ধী কুনমাটবীতে খু গত হইলেন ৷ পরে তথা মন্দ্<mark>যাকৃৎ আলি</mark>লনে ৷ বিবিধ প্<mark>ষেপর গছে ও মানা জাতি পঞ্চির</mark> ধুনিতে 🤞 দ্পাকরের সুধাসিক জ্যোতিতে উভয়ে ফ্লখনুর শরা ধার ছইয়া রতি প্রভৃতি বিবিধ ক্রিয়ায় মনোভিনিবে करल नोक्तकारू श्रीय (क्षयमी व्यक्ति क्षमु क्षराव कदिरनन দে ছে পিনভূনি নিয়লেজ গুচার চক্রমূপি এই ধর্মশাল মাালাবে মানবগণের জনা পু**ছ্ল করিয়া কর্ত্তব্য কি ভা**ছ গ্রামার প্রকাশ করিয়া কছ দেখি। রশবভী কভিলে। ে স্থানাথ অংপনার জ্পাপসজ্জের অনুগৃহতে ০ অপিনীর হজাপ শিক্ষা ভজাপানসারে নিবেদন করিছে ভি: তে প্রিয় ছে কান্ত শ্বনে শ্বনপাত করুন। মান-बरनंद करतंदा अहे द्वार अधरम विकासासन कविह হিতায়ে ধনভেনি করিবেক, তৃ<mark>তীয়ে সেই ধন ছারা ধ</mark>কা र्वन क्रिटिन ইহাতে চত্র্যে চত্র্বর প্রাপ্তে পর্মাহলা। পরম পুরুষ পর'হপর পরমেশ্বর শভা করিতে পাা. বেল ইহার বিপারীত হ**ইলে বিপারীত হ**ওনের সন্তাবন_্

ভধাচোক। শ্লোক।
প্রথমে নাজিতং বিদ্যা বিভানে নাজিতং ধন
ভূতীয়ে নাজিতং পুর্য চতুর্থে কিং করিব্যতি।।
এতজ্ঞপে দম্ভির বিবিধ প্রকার প্রশোলর হইট থাকিল পরে সেই উদ্যানের প্রাস্তভারে কেন পর্য

নৈর বক্তা উহারা শুবণ করিয়া তৎপথ গমনেজ্ঞ ্য়। কাল যাপনে নৈপ্ণ। ছইজেন: পেরমহং**লের ব**জুভা যা**ছা দর্যভি**ব: শূবণ করিনা -

জাগা তকু:

ত্রিপদী। জীব তব কিবা ভ্রম, কর কিবা পারিশম মধ বিক্রম বরিষার। ক্রমেই তব ক্রমে, গালে কাল র ক্রমে, ভারোপায় কিবা করিয়াত । পরিজনগণ अतिहास कति तृष्यः अतिवास आहि अतिहाति । েই মৃত্ত ছবি, জানিম্গুল্য ছবি, ভার চিকা কে লাইb ति ।। करव विषठ इत्र शक्त, विसन्न कति । असे γন ১০৩ছ ধন পরে। অস্কলে দিবকের, তথান বি टाकरा, जिटाकरा सम्परमञ्ज करत । होरा मन्द्रादरत छत्र, েতেকে জনরব, আয়ুইবারি শোকে এড় করি। এক । জলাশন হৈল বেল মহাশ্য, লবে মায়। প্রাণ্ দলি ता, बाह्य निया छ्छमंत्र, अञ्€र मक्तु प्रा, दस्थ গুতির স্থা হাতে। কমল ছেইলে ক্লা ২ণস কি ক্সেলের . इएएमर विद्राम भारत । । फाएकर केम फोर. ্যপি হতে শুর্জান, মাচেডনে মচেডন কয় 🗀 চৈত্র, নেল ছৈতে, ষভ করি ভাওমেনে সারিতে নারিবে उठकते।। **उपनिक द्वेश्य** प्राच्यः, भ्**रक्रम ए**त्राप्रका, 'ন পক্ষে সদিন ঘটিরে। মায়া জাল করি ছিল, ভেডিন রে ভিমহ, সদানকে কেলী আর্ডিবে।। ডুপ পূর্ব বি কাৰে. কেমেতে সহস্দৰে, হংস্থিয়া হইতে প্ৰেড त्महेकारण प्रति ভारत, ता**षि**श। मनि मन्दित, फिन ংক ভাবিৰে দিনেশ।। ষড়চক্র করি ভেদ, যড়চঞে ्रिष्ट, जारमध् खामाश वर्ष कृतः। त्रप्तः मात्रवाशास्त्र

করার নিদিখ্যাসন, নিভাং অনুষ্ঠানে রও।। অর্দী এই সংগ্রে, সার মাত্র শারাৎসার, পরাৎপর যিঃ হন নি তা। থাকিয়া অতি নির্জনে, ভাব সেই নিরাঞ্জ পত্য ^হহতে পাবে সভাই॥ বেদাদি ষড় দর্শনে, র प्रदे धारन्**षर्व, बक्का विक्ष् आपि यउ पृति।** रू नमः उर हिन्छ, ভাবিয়া এकान्ত हिन्छ, व्यक्तित व চিম্মেলি: গানাডাত জানাতীত, বৰ্ণতীত শ্ৰাডীং রশাতীত আদি দ্**টাতাত। তথাচ যে বর্দ**্রাপ জ্মক্ততি দক স্যাপী, অন্তি বাক্যে জ্ঞাত প্রতীত हाईट्य विटवक मा<mark>श्वि, (कन कत्र माश्विर, आ</mark>श्वि वन मा নতে কর । সূজন পালন লয়, যাহার ইচ্ছায় হয়, ি কার নিত্য দেই বিভ .. উদ্ভিক্স আর ধেদজ, অল कार् यनक, एउग्रांन इत्यं खरुष्टन । भनुकार ্ ৮০০. প্রতি করে পদ্রকে, চেড্ন হইটে সচেড্ন कर प्रकार फेन्द्रिका, रक्तिका करेख बीगा, एथा है हा বিহান হন: ওজেপ নাস্তিক গণ, গতিহীন হৈছে রন, 🛵 • ভন ল' কিভে ক্রেডেন।। জ্ঞান্তর চার বাক, কেবল অ॰ ত্ত্বত ব্যবহার আবাকে কি ফল। তাজ স্থাপ নিরান ্ব হৈ স্কৃতিদানন্দ, কেন কাল ছবিছ বিফল 🙃 🧺 অন্বিভায় জান নিষ্কৃণি কিন্তু বিষ্ণুণ, সর্বাসূতে চতু मिट्ड: त्मरे श्कृष अधान, गर्म कोरबत निशान, वि রিলেন রেদাদিতে। যদি ভাব দেইজন, চতুরুত্র ন**া** মণ, কিয়া তিনি গ্ৰানন হন। কিয়া তিনি সভা কিয়া তিনি পঞ্চানন, কিয়া ভার চতুর্থ জানন।। 🦠 ভার নাস্তি ভূছ, ুকিয়া তিনি শড় ভূজ, কিয়া তিনি

অই ভূছা। কিয়া তিনি হয় ভল্, কিয়া তিনি দশত

किया जिमि खरोपमा जुन।।। किया जिमि जनाकात, কিয়া অগ্নি অবভার, কিয়া বাস্থ কিয়াই বা ব্যা। কিয়া তিনি জ্যোতির্যন, কিয়া কাষ্ঠ লোটু হয়, কিয়া শীলা স্থাবর জন্ম।। তবে শুন প্রত্যুত্তর, ইডাাদি হইলে পর, মিত।ত্ব থাকেনা সেই নিভে।। সাকার হইলে কায়,অবশ্য নালেরে পায়, বিনাশ বভায় তবে সভো ৷ অভএব এ वक्त, **काञ्चत क्रिक् मर्णन**, कार्येम नार्यात नागि नाति। কেন ছাও জোন হয়।, কেশেতে ধরে নিয়ন্তা, মনে কর উজ र्मामार मारा । । । । । व्याव **हैरश कत जैक**, मनाय न्यारमंत्र वाकः, মীমাংশাস অতি বিচক্ষণ। যাছে আতা প্রাম্নিরণ, পেছে। ছিল আত্মসন, ভার দেই মীমাংসা একব।) ছাড়u बाटक्स, खाकर अविदल्ला, देरहाना दल्दल खाल्य ल्ल. म्हित मर्क मिनक, जाइंडि ५२८व सिक, दरून माहा ग्रक्ति वर्क र छ ।। । छ। व । य भारति भारते भारते । व्यवमा भारत শ্রাদ, গোজ্পাদ ভাবের দিকা ছাবে•। নিজ্পাদ কালের গাদ विश्वत ६६व मध्यम्, शह्मभ् ध्याकः अन्न नाट । अद्व পর্মানদে, পাইলে প্রমানদে, গল্প ঘচে হইবেরে উল্ঞু অলান ডিমির পাশ, অচিরে হইবে নাশ, প্রকাগ হইকো क्रांनक्त । व्यक्तित मन्त्रकार, डात त्मरे नितास्त्रन, आफ्र অল্ডীন বিনি ধন। গাঁর কৃপাবলোকনে, কটাদি মন্ধ। গণে, আছার বিহারে স্থে রন্। দেখহ তাতি কংগাদে, প্রাণী প্রাণির জঠবে, পায়ে কড ছঠর যন্ত্রণ। ভারি সেই নিরাপ্রন, দেখে এই রিভ্রন, ক্রমে হয় ম'য়া সংঘটনা । নির্নিত আগ্রু বল, প্রতিক্ষণ হয় হত, क्षार वल देशन अस आहा। मुख्य रक्ष्य निम प्रिम, महि ভাবে সেই দিন, যে দিনে পলাবে প্রাণবার । ছেরিয়ে

খায় লাবণ্য, যনে ভাব জামি পন্য, যান্য গ্ৰা नर्वकान। किन्छ ट्यादेत (इति देवना, आहात ट्यामात्र, क्रमाः । यात्रीम नर्कता । त्रष्टे अन् ॥ त्रद्धे कतिया सालिए 🐴 ত্রুমে করে জন্ত্রাফিড, কিবা ভাঁর আশ্চর্য্য ব্যাপার। ामध र मर्क खाली, कृषिके ना देश खाली, श्रदाधात त्थरत अरहाभाद्र।। कात्र तम्थ मक्तरे, अक्षत शहर ७ ৰক্ষ, ভাছে প্ৰঃ শাখা দেখা যায়। ক্ৰমেতে হৈয়ে ম্কুল, কড শত ধরে ফুল, পরে ফল ফলে যত ভায় ৷ পরে শেই প্রতি ফল, পাইবারে প্রতি ফল, অফ্র করয়ে উৎপাদন। এইকপ ফের ফার, কপায় হ*েছে* ারে, সেই জন জগত কারণ।। আমি করি আমি হই, এট বাকে; ছইং, করে কেন লভিড় যন্ত্রণা। লয়ে কেন্দের ' বিধান আপেনারে যন্ত জান, করে সেই হারিরে ভাব-मा । शामि पर्या कर महन, आधात निरश्हत विदन, विकास बाहि इत नगामन : किन्नु उद्ध मह मन, सा उद निराती कर, युक्ति गल जांद्र अदन्देश । कम बाद्र ममलात, ্ষর। ভাবে ভাবে ভাবে ভাবে অভাব হৈতেছ কেন ভাবে। बादतर अतिवास कड वा खिल्ट भारती, छन्न विस्म ভত্নাহি পাবে । পরি **হর অহস্কার, ভেবে দে**গত কেরাজার, জোথা ইহনত এশে কোথা যায়। হইয়ে ঘাষায় বন্ধ, সকলের হয় বাসে, অনুসেতে কালিয়া কালা-য় ৷ দেখ দেই কিবা কাল, যেকালে ঘটিবে কাল, তথ্য ক্রিকাল ব্যাজ সরে। পাড়িয়া **থাকিবে সর.** পড়িয়া থাকিবে শব, তাজিবেক আন্ম বন্ধ **শবে**॥ যথন আশিবে ভার', কোগায় থাকিবে ভারা, যারা তব স্বাভ প্রিয় ভর 🕝 হইবেরে ভারা ছারা, ভারায় মিশারে ভার

अहे विल जीव विखालता। यथा वृक्ति छथी हीत. क्यि-🖜 অবশা নাশ, বভু নহে বিনাশ বর্জিত। কণ ভদ্ধ ারন, সম পাত্রের জাবন, জাবনের বিধু প্রায় স্থিত।। ্রেরে অন্থিত দেহ, স্থিতা স্থিত কল্প দেহ, পাথেয় 'ররে উপস্থিত। যেতে হরে শেই গ্রাম, যে গুনেম ারম ধাম, ছৈতে যতে এ গ্রাম বঞ্চিত।। অতএব লাব-ান, যান্তক্ষণ আছে ভগ্নান, কর্থ বৈরাগ। অভ্যান। বিলে ानद्राध्यमः नेशा नृषी হবে यमः **ए**ड्य प्रम्न त्यांश खेल-্রাস চ আদি এই উপদেশ, মনেতে করিরা স্বেষ, াকেন্দ্র আদেশ লান্ত্রি। হবে কট নানা রূপ, স্ত্রী ার শুল রূপ, জোন স্থানে নিস্তার না পাবে 🖂 **দেখ** ট নুন্দিরি, অংগু ছৈলে বিশ্বিবি, অহস্তারে পরি-দি কলে ১ তুন পায় সংগাপতি, হইন্মে শূর্যার অত্তি, গতি क्ष कर्रशासकांकांका ।। भारत दल्का निष्टांति, व्यवस्ट्टर्स ाहि, बर्क्स **बर्क्स कहिल अ**च्छित । शास्य सुम अख्यिका, জ্ঞায় পলায়ে যান,গরোবর নীয়ে ধিরেই।৷ ভাশুর পায়ে দক হইল পদা কোরক, ভথায় দেখটে চমৎকার। छ ट्याटन मिदाकत, ध्याकानिश धत्रकर, रुपय विश्लेन । রে রার ।। ভাতে পদ দর্শগারি, মুগুকের মৃতি বরি। ्रकृष्टि स्व ५७५ कर्राः। भूक्षत् रम्भावितः **स्न, सरम क्तिस** চন্তুন, আর থাক। নছে সরোবরে।। অতি নীচ জলা। प, मीटच्छ ब्रह्म अ^{श्}नुम्न, **एनक क्टन (छक नक्कन**) मीछ ান হৈলে বাস, অবঁশা ভত্তত্ত্ব নাশ, উক্ত আছে পণ্ডিত খন।। অভএব নীচাশুর, পরিতাগে যোগ্য হয়, উপ-ভ উচ্চের আশ্য়। এতেক ভাবি অচিরে, আরোহিয়া ি শিরে, স্তনকৃত্তকরি কুমূহয়। কিন্তু তথা সেই

मुर्खाः अवाभिष्ठा श्रीत्र वीर्धाः, कत्रि कूहकदत जालाएन পর্ণহারি প্ররায়, ছস্তিপান হৈছে তাহ, কল্প প্রহাল महिकाण ।। कति निषद्ध कृष्णिकत, रेष्ट्य क्षादिरक्षत सुर श्वार पंडिय किथाश । संशास भाग कति, महार अम অবি, পায়ং হেরি অনুপায়।। এত ভাবি কুচবু, ভাজা করি কবি কুলু, নারী বক্তে করিল প্রনা। সংখ্য भक्रय कहा, रेशस्य (माझे भिवाकता, श्वाति **छ।त्व** कत्रस्य अस ন। দর্পহারি পানধার, হৈছে অবোধ কুলার भ भ न कत्राह नहा प्रस्तु । खट्यत कितियां माहि नियुद्धि, घटमा एको विषय खामा खास ভাই বলি ড:জ বল, করং সাধুপদ্ধ, অনির্বচনীয় ব हिट्या उत्पार के जिस जिस, 'डांडाइड इहेटल कीस, कर নিজাণ ছৈতে অন্তেট প্ৰচান এই ভবে, আহি না আটিটে হতে, আরু না করিছে হতে দল। আরু না থাকিতে জা আরু না থাকিলে লোম, আরু না থাকিবে নিরানক আর না থাকিবে তাস, আর না থাকিবে শ্বাস, আর প্রাকিবে অভস্কার। আর না প্রাকিবে ক্লেশ, আয় থাকিবে শেষ, আরু না থাকিবে পারাপার।। তার থাকিবে জান্ত, মার না পাকিবে মুক্ত, জার না থানি मार्गमन । खाद न धांकित्व त्याप, खाव न धा ग क्का छ. खाद म: था किरव छल। छल। । खातमा निकि ছবে, অৱশ্য নিশিক্ত পাবে, চিস্তুই হৈয়ে এক চি क्रिम कारणब अधीन, टिटए छात हिन हिन, कब्रर है। নের তকু 🗓

গীত'। রাগিনী পুরট যোলার। তাল ধিমে তেতাল অধানে থাকিবে কত জার। মনঃ জামার।। 🦡 কভ কর দিতে র্চের কাজ। ৬েরে কার্গান ছইছে। কার্থ াল নাকি ভোষার দ

চলাম্ম বিধোকারে করে ধেনাপার্ট গমর ভারজে গুলিফাল্ড সংগ্রেছি। এবে বিশুর্গে গুলি সঞ্জিতি । ভারত্তা ভারে গাজা নিজ অর্থান্ত ।

থ জে পুনৰিলো কাজপেষ্ক'। ভাপা হড ১৯৮২ সংসংহ নিজিল্টন। ভাব কেই নীক্তাকার নিক্কি ২ ১ নি বভালে।

্নত আন্ধান্ত সময়, কেইট এইটো বিন্ধি সমূদ্য, আইকঃ ক্লান্ত স্থান্ত তাই চিত্ৰ পত্ন হৈ তাইকেঃ

धेविधार महादि ।



শুদ্দি পত্র।

		o	
পত্ৰ :	भ१कि।	অশ্ব	শু ক্র
38	38	নিস্থারণ	্নিঃস্র্গ্
- 16-	5 5-	विश्वारम	ति शास
(<u>4)</u>	ng day paga song-p	WATER	ध नाम
3.9	3.8	কণ্টের	কণ্ঠের
. भी	35	उर्हेख्ड,	সচেত্ৰ
2.7	4,	বিদ	fan
र् २	Į,	डेक्श द्व	উৱপরে
> 9	;	अलक भाव	অন্সন্ত
)	پ خ	করিয়-	क इ दिश
7.	२०	উংগ্লেস	क्टिया
25	,₹,	£ 1 2 No	सर्ग क
· +-	h	গ্ চ	ศษ
.2 .	` 4	िक टिकेल	रिक्ट न
S. N	5	× 50 1 € 1	minit & S.
** ** ** **	34	দলভাবে	नहां जात
82	42	ভ সঞ্জ ক্তি	অসমা ক্রি
14	* *	ALM	न्ध्री भ
41 5 %		कृष्ठ"	E L (
٠,	′ ⁸ ŋ	<i>म</i> ्डन्	শস্
· .	?:	नग्रन (मा	- नेश्वनी प्रक्ष
" <i>.</i> *	ঠ	পরাবাব	পারাবার
.*	38	नग्	শয়
	34	পল্স	ल्दम

শুদ্ধি পত্ৰ ৷

পত্র। পংক্ষি:

হ বিছ

রিঞ্জ স্থামদ বৃত্ত, মগ্যদে করি ও্রু: ব্যাল করলো রস্বভঃ।

> ্দুন্টিবিষ দ্বিয়ে শ্রিয়ে, করাও ছেবিষ শ্রিয়ে, নেত্রের বিকার বৃদ্ধি অভি:

可有:

কেন মন বলে মার্মানে করে **ভানু.** রুম্নে কবলো চুস্ততী :

পুনগৃষ্টি দৃহ আংগ, করি আমি বিচ পা নেজের তিকার বৃদ্ধি অভি ।